राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

जिम में पसीना बहाने के बाद भी नहीं जा...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 13 अगस्त 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 10 अंक: 234 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

जी 20 मीटिंग: भारत ने आर्थिक अपराधियों के तेजी से प्रत्यर्पण, भ्रष्टाचार मुक्तदुनिया की वकालत की

'जी–20 भ्रष्टाचार निरोधक मंत्रिस्तरीय बैठक' के दौरान ''दुनिया को भ्रष्टाचार मुक्त'' बनाने की दिशा में काम करने, भगोड़े आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में तेजी लाए जाने और उनकी पूंजी जब्त किए जाने पर जोर दिया...

कोलकाता। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को यहां 'जी–20 भ्रष्टाचार निरोधक मंत्रिस्तरीय बैठक' के दौरान ''दुनिया को भ्रष्टाचार मुक्त'' बनाने की दिशा में काम करने, भगोड़े आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में तेजी लाए जाने और उनकी पूंजी जब्त किए जाने पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि भगोड़े आर्थिक अपराधी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन के लिए एक बड़ी चुनौती पैदा करते हैं क्योंकि वे न्याय से बचने के लिए देशों की कानूनी एवं वित्तीय प्रणालियों के बीच अंतर और मतभेदों का फायदा उठाने में सक्षम हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने कहा, ''भगोड़े आर्थिक अपराधी अपने देश में गंभीर आर्थिक अपराध करते हैं और गिरफ्तारी, अभियोजन या सजा की तामील से बचने के लिए किसी अन्य देश में भाग जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि इन आर्थिक अपराधों में धोखाधड़ी, कर चोरी, धनशोधन एवं गबन जैसी कई अवैध गतिविधियां शामिल हैं। सिंह ने कहा कि इन आर्थिक अपराधियों के कृत्य शासन के कानून को कमजोर करते हैं, आर्थिक विकास को बाधित करते हैं और अकसर भ्रष्टाचार बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी20 भ्रष्टाचार निरोधक कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) कानून प्रवर्तन सहयोग, सूचना साझा करने की प्रक्रिया और पूंजी बरामदगी तंत्र से जुड़े अहम मामलों पर सर्वसम्मति बनाने में सफल रहा है। मंत्री ने कहा, ''जी20 के रूप में हमें अपनी महत्वाकांक्षा को लेकर साहसी होने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में कमियों को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि भ्रष्टाचार से निपटा जा सके। मुझे भरोसा है कि जी20 सदस्य देश प्रत्यर्पण तंत्र की प्रभावशीलता को बढ़ाने और सीमा पार वित्तीय आवागमन की बेहतर निगरानी के लिए इन सिद्धांतों को लागू करने के लक्ष्य से ठोस कदम उठाएंगे। इससे भगोड़े आर्थिक अपराधियों पर नकेल कसेगी।'' सिंह ने कहा कि भारत भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक मजबूत और समग्र दृष्टिकोण अपनाने का प्रबल समर्थक रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेता होने के नाते यह सुनिश्चित करना जी20 की जिम्मेदारी है कि ''हम भ्रष्टाचार मुक्त दुनिया के हकीकत में बदलने तक इस लय को बरकरार रखें।'' मंत्री ने कहा, ''भ्रष्टाचार विरोधी मजबूत नीतियों को प्राथमिकता देकर और उन्हें लागू करके हम पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही के लिए वैश्विक मानक स्थापित कर सकते हैं। हमारे पास भ्रष्टाचार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की शक्ति है जिसमें भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों को सुसंगत बनाना, सूचना साझा की प्रक्रिया को तेज करना और सीमा पार जांच एवं अभियोजन को मजबूत करना शामिल है।'' सिंह ने पारस्परिक कानूनी सहायता के अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर ''जवाबदेही रिपोर्ट'' को अंतिम रूप देने की दिशा में किए गए काम को रेखांकित किया और कहा कि इसके निष्कर्ष एवं सिफारिशें अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने, वैश्विक सुरक्षा बनाए रखने में देशों के बीच आपसी सहयोग को बेहतर बनाने और मजबूत करने में बहुत उपयोगी होंगी। उन्होंने कहा, ''ये भगोड़े आर्थिक अपराधियों के खतरे से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।'' सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का नजरिया ''भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति हमारे दृष्टिकोण'' का भी मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता एवं जनभागीदारी भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों का आधार हैं।

पुलवामा में शिविर के अंदर सीआरपीएफ के जवान की मिली लाश, आत्महत्या की आशंका

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के पुलवामा जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक जवान एक शिविर में मृत मिला है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि माना जा रहा है कि उसने आत्महत्या की है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार–शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे गोली चलने की आवाज आने के बाद अवंतीपुरा के चुरसू इलाके में सिपाही अजय कुमार मृत मिला। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं का मानना है कि उसने आत्महत्या की है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने एक बयान में कहा, ष्आकलन के बाद एफ 112 बीएन सीआरपीएफ का एक जवान, सीटी अजय कुमार खून से लथपथ मृत पाया गया।ष् उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ जवान की मौत जाहिर तौर पर आत्महत्या से हुई है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 174 के तहत जांच कार्यवाही शुरू कर दी गई है। पिछले छह महीनों में जम्मू–कश्मीर में आत्महत्या से सीआरपीएफ जवान की मौत की यह तीसरी घटना है। फरवरी में राजौरी जिले के नौशेरा इलाके में सीआरपीएफ का एक जवान गोली लगने से मृत पाया गया था। 245 बटालियन का जवान नौशेरा के टैन ब्रिज कैंप में ड्यूटी पर था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा प्रथम दृष्टया, उसने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हालाँकि, सीआरपीसी की धारा 174 के तहत जांच कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

अब मिल रहा दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को उचित सम्मान :प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार के शासनकाल में दलितों, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आदिवासियों को उचित सम्मान मिल रहा है जबकि पिछली सरकारों ने ''इन वर्गों की उपेक्षा की और उन्हें केवल चुनावों के दौरान याद किया।'' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकारें गरीबों को पानी उपलब्ध कराने में विफल रहीं जबकि उनकी सरकार के दौरान जल जीवन मिशन के कारण दलित बस्तियों, पिछड़े इलाकों और आदिवासी क्षेत्रों को अब नल से जल मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने सागर जिले के बडतूमा में समाज सुधारक और कवि संत रविदास के 100 करोड़ रुपये की लागत वाले मंदिर–सह–स्मारक के निर्माण के लिए भूमि पूजन और आधारशिला रखने के बाद मध्य प्रदेश के सागर जिले के ढाना गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया। भूमि पूजन के बाद मोदी ने संत रविदास की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर प्रणाम किया। समारोह में उन्होंने आगामी स्मारक–सह–मंदिर के लघु मॉडल का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ''संतों की कृपा से कुछ देर पहले मुझे इस पवित्र स्मारक के भूमि पूजन का पुण्य अवसर मिला है। पूज्य संत रविदास जी के आशीर्वाद से मैं विश्वास से कहता हूं कि आज मैंने शिलान्यास किया है, एक–डेढ़ साल के बाद मंदिर बन जाएगा तो लोकार्पण के लिए भी मैं जरुर आऊंगा और संत रविदास जी मुझे यहां अगली बार आने का मौका देने ही वाले हैं।'' मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं जबकि आम चुनाव अगले साल मई में होने हैं। भक्ति आंदोलन के संत–कवि को उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में आध्यात्मिक शिक्षक के रूप में सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने जाति और लिंग के सामाजिक विभाजन को दूर करना सिखाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि रविदास जी ने उस कालखंड में जन्म लिया जब देश पर मुगलों का शासन था तथा समाज अस्थिरता, उत्पीड़न और अत्याचार से जूझ रहा था।

वैचारिक कारणों से अक्सर दी जाती है भारत के हितों की बलि

जयशंकर बोले: हमें आर्थिक के साथ अपनी विदेश नीति भी बदलनी होगी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अक्सर कुछ वैचारिक कारणों के कारण भारत के हितों की बलि दी जाती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार हमेशा देश के हितों को अपने मूल में रखते हुए दुनिया के साथ काम करेगी। आकाशवाणी के साथ एक साक्षात्कार में जयशंकर ने वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुटनिरपेक्ष युग से अधिक मुखर और राष्ट्रीय हित–संचालित दृष्टिकोण में बदलाव पर प्रकाश डाला। जयशंकर ने गुटनिरपेक्षता के ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए इसे ऐसे समय में भारत की स्वतंत्रता के दावे की अभिव्यक्ति बताया जब इसकी क्षमताएं सीमित थीं। उन्होंने कहा कि जहां गुटनिरपेक्षता भारतीय विदेश नीति में एक विशिष्ट युग का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं यह अपनी सीमाओं के साथ भी आई है। मंत्री ने कहा कि एक ऐसा युग था जहां हमारी क्षमताएं सीमित थीं और जहां हमने हमेशा अपने राष्ट्रीय हित को पहले नहीं रखा था। कभी–कभी हमें वह लाभ नहीं मिलता जो हमें मिल सकता था। लेकिन वह अतीत की बात है। 1990 के दशक के दौरान सामना की गई चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए, महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों की अवधि, जयशंकर ने कहा कि इन सुधारों ने आर्थिक और राजनयिक रणनीतियों के बीच अटूट संबंध को पहचानते हुए, भारत की विदेश नीति के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता की। उन्होंने कहा कि हमें न केवल अपनी आर्थिक नीति बल्कि अपनी विदेश नीति भी बदलनी होगी क्योंकि दोनों साथ–साथ चलते हैं। जयशंकर ने देश की बढ़ी हुई क्षमताओं, आत्मविश्वास और पर्याप्त वैश्विक परिवर्तन को प्रभावित करने की क्षमता में विश्वास को रेखांकित किया। आज, हम एक अलग युग में हैं – यह एक ऐसा युग है जहां हम अधिक सक्षम, अधिक आत्मविश्वासी, अधिक महत्वाकांक्षी हैं, हमें लगता है कि हम एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

कांग्रेस पर आरोप मढ़कर मणिपुर पर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते प्रधानमंत्री: हरीश रावत

नयी दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ कांग्रेस पर आरोप मढ़कर मणिपुर की विस्फोटक स्थिति पर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। उन्होंने साथ बातचीत में यह भी कहा कि मणिपुर के संदर्भ में राहुल गांधी ने लोकतांत्रिक बात की जिससे सरकार बेनकाब होती है, इसलिए लोकसभा में दिए उनके भाषण के कुछ अंशों को कार्यवाही से हटा दिया गया। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''मणिपुर को लेकर राहुल गांधी ने जो बातें कही हैं, उससे वहां की स्थिति की गंभीरता परिलक्षित होती है। मणिपुर में जो लोग प्रभावित हैं, इन बातों से उनको यह महसूस हो रहा है कि कोई उनके दिल की बात कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी जी के जो शब्द हैं वो पूरी तरह लोकतांत्रिक शब्द हैं और वो स्थिति को सुधारने में सहायक हो सकते हैं। उनकी बातों से सत्ता बेनकाब होती है, इसलिए उनकी बातों को कार्यवाही से हटा दिया गया और इसके खिलाफ अभियान भी चलाया गया।'' प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कांग्रेस पर किए गए प्रहार के बारे में पूछे जाने पर रावत ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''अगर सब अच्छा होता तो आप (प्रधानमंत्री मोदी) जैसे लोगों का अवतार नहीं होता।'' उन्होंने यह भी कहा, ''आप नौ साल से सत्ता में हैं और आज मणिपुर में जो विस्फोटक स्थिति पैदा हुई है उसके लिए आप वर्षों पहले एक स्थिति विशेष में उठाए गए कदमों को लेकर बातें नहीं कर सकते। पहले पूर्वोत्तर में उग्रवाद एक आम बात था, स्थिति को संभालने के लिए हमने अपनी कई सरकारें तक गवां दीं।'' रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को मणिपुर शांत और सामान्य स्थिति में मिला था। उन्होंने कहा, ''अगर आज मणिपुर जल रहा है तो प्रधानमंत्री कांग्रेस पर आरोप मढ़कर अपनी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। आप स्थिति सुधारिए।'' प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में मणिपुर समेत उत्तर–पूर्व के राज्यों में वर्षों से व्याप्त विभिन्न समस्याओं के लिए कांग्रेस और इसके शासन वाली पूर्ववर्ती सरकारों को जिम्मेदार ठहराया था और कहा था कि पूर्वोत्तर में समस्याओं की एकमात्र जननी कांग्रेस है। उन्होंने कहा था कि वहां के लोग इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं, कांग्रेस की राजनीति इसके लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने उत्तर–पूर्व में वहां के लोगों के विश्वास की हत्या की है।

राज्यसभा से निलंबन के बाद राघव चड्ढा ने बदला ट्विटर बायो, लिखा– निलंबित सांसद

नई दिल्ली। सदन के अनुरूप व्यवहार न करने को लेकर आप नेता राघव चड्ढा को राज्यसभा से शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया। अपने निलंबन के एक दिन बाद, आप नेता राघव चड्ढा ने शनिवार को एक्स, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर अपना बायो बदलकर षनिलंबित संसद सदस्यष कर लिया। सदन के नेता पीयूष गोयल ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 के लिए प्रस्तावित चयन समिति में उच्च सदन के कुछ सदस्यों के नाम उनकी सहमति के बिना शामिल करने के लिए आप नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। अपने निलंबन के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने एक वीडियो संदेश में खुद को शनिलंबितश राज्यसभा सदस्य बताया था और उन्हें उच्च सदन से बाहर करने के लिए केंद्र सरकार पर कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या उनके निलंबन का कारण अन्य प्रासंगिक मामलों के अलावा श्संसद के अंदर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के नेताओं से पूछताछ करनाश था। उन्होंने कहा कि मुझे निलंबित क्यों किया गया? मेरा अपराध क्या था? क्या मुझे निलंबित कर दिया गया क्योंकि मैंने सबसे बड़ी पार्टी यानी भाजपा के नेताओं से सवाल पूछा था? या मेरा गुनाह ये था कि मैंने दिल्ली सर्विसेज बिल पर अपनी बात रखी और बीजेपी से न्याय मांगा। उन्होंने अपने वीडियो को साझा करते हुए कहा कि श्नमस्कार! मैं सस्पेंडेड सांसद राघव चड्ढा। चड्ढा संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा से निलंबित होने वाले दूसरे ।।च सांसद बन गए, जो 20 जुलाई को शुरू हुआ और शुक्रवार को समाप्त हुआ। पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह को 24 जुलाई को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था।

स्मृति ईरानी के बयान पर रॉबर्ट वाड्रा का पलटवार, चुनौती देते हुए कहा– उंगलियां आपकी ओर भी उठती हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी द्वारा लोकसभा में गौतम अडानी के साथ अपनी तस्वीर दिखाने पर रॉबर्ट वाड्रा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर जल रहा है और इस मंत्री (स्मृति ईरानी) को मेरे बारे में किसी तरह की नकारात्मक बात उठानी है, जो संसद में भी नहीं है। इससे पहले रॉबर्ट वाड्रा ने शुक्रवार को एक फेसबुक पोस्ट डाला और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की आलोचना की थी। गोवा में स्मृति ईरानी और उनकी बेटी के रेस्तरां से जुड़े विवादों से जुड़ी खबरों की तस्वीरें साझा करते हुए, वाड्रा ने ईरानी से इसके बारे में विवरण और अपनी शैक्षिक जानकारी देने को कहा। आपको बता दें कि रॉबर्ट वड्रा प्रियंका गांधी के पति और सोनिया गांधी के दामाद है। यही कारण है कि वह भाजपा नेताओं के निशाने पर रहते हैं। रेस्तरां और डिग्री विवाद : स्मृति ईरानी पर निशाना साधते हुए वाड्रा ने कहा कि भारत उनके रेस्तरां और डिग्रियों के बारे में जानना चाहता है। वाड्रा ने मंत्री से कहा कि वह उनके नाम के प्रति श्मुग्धश होना और संसद में उनके नाम का श्दुरुपयोगश करना बंद करें। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्मृति ईरानी जी, मेरे प्रति आसक्त होना और संसद में मेरे नाम का दुरुपयोग करना बंद करें। मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप सबूत दें या फर्जी होना बंद करें, जैसे कि आप हैं। इसके साथ ही उन्होंने लिखा कि आपकी अक्षमताएं मुझ पर उंगली उठाकर छिप नहीं सकतीं, याद रखें जब आप ऐसा करते हैं तो आपकी बाकी उंगलियां आपकी ओर उठती हैं, इससे जुड़े कई और विवाद हैं आपको और आपके परिवार को लेकर।

स्मृति ईरानी को चुनौती

वाड्रा ने आगे कहा, ष्भारत गोवा में आपके रेस्तरां और देश के विभिन्न हिस्सों में तीसरे पक्ष के नामों के बारे में जानना चाहता है? आपकी डिग्रीध्शैक्षिक योग्यता और इसके साथ अंतर्निहित विवाद! पहले आप इसे स्पष्ट करें और फिर दूसरों पर उंगली उठाएं।ष् यह देखने के लिए इंतजार कर रहा हूं कि क्या आप गोवा और उससे आगे के बारे में जवाब देंगी, स्पष्ट रूप से कि क्या आप वास्तव में योग्य हैं, जिस पर मुझे संदेह है।श् ईरानी को चुनौती देते हुए, वाड्रा ने कहा कि किसी भी खुलासे या जवाब का मतलब यह नहीं है कि श्आप सही तथ्य छिपा रही हैं और योग्य नहीं हैं... आपको शर्म आनी चाहिए!

पहला ई–ऑफिस लागू करने वाला पुलिस रेंज ऑफिस बना रेंज कार्यालय बस्ती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र बस्ती राम .ष्ण भारद्वाज द्वारा के पहल पर परिक्षेत्रीय कार्यालय बस्ती में ई–आफिस प्रणाली लागू किया गया है जो उत्तर प्रदेश के समस्त रेंज ऑफिसों में पहला ई ऑफिस लागू करने वाला रेंज कार्यालय बन गया है । ई–आफिस एक **Digital Work Place Solution** है जिसका निर्माण **NIC** (भारत सरकार का उपक्रम)द्वारा किया गया है। **e–Office** का उद्देश्य कार्यालय के समस्त पत्र/पत्रावली/फाइल का डिजिटलाइजेशन कर कार्यालय को सरली.त, उत्तरदायी, प्रभावी और पारदर्शी कामकाज को प्राप्त करना है। यह केन्द्रीय सचिवालय नियमावली पर आधारित है **e–Office** प्रणाली लागू होने

से पुरानी फाइल, रिकार्ड को खोजने में अधिक समय लगना, फाइल खराब हो जाना व अन्य समस्याओं जैसे आग, पानी, कीट आदि से छुटकारा मिलेगा। **e–Office** द्वारा कार्यालयो में की जा रही सम्पूर्ण कार्यवाही को डिजिटल बनाये जाने व पत्र/पत्रावली/फाइल को आसानी से खोजने, अपनी फाइल को सरवर पर हमेशा के लिए सुरक्षित कर कही से भी आन–लाइन कार्य करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। कार्य प्रणाली परिक्षेत्रीय कार्यालय बस्ती में ई–आफिस कार्यप्रणाली आरम्भ की जा रही है । ई–आफिस प्रणाली को परिक्षेत्रीय कार्यालय के सभी शाखाओं में लागू किया जा रहा है। ई–आफिस प्रणाली के द्वारा सभी प्रकार के पत्र, पत्रावली, फाइल आदि डिजिटल फार्म में ई–आफिस के सरवर पर सुरक्षित रहेगी। म–र्वपिबम पर कार्य करने हेतु सर्वप्रथम सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी को अपने एन0आई0सी0 की आई0डी0 से **police-upeoffice.gov.in** पर लागिन कर पत्र/पत्रावली /रिसीप्ट को स्कैनिंग के माध्यम से ई–आफिस पर रिसीप्ट/डायरी बना कर फाइल में/ड्राट तैयार कर अथवा सम्बन्धित को **e–Office** के माध्यम से भेज दिया जाता है। जिसका रिसीप्ट नम्बर कम्प्यूटर में जेनरेट होकर हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाता है और फाइल कहां से किसको भेजी गयी है समस्त जानकारी सम्बन्धित कर्मचारी की आई0डी0 पर सुरक्षित हो जाती है कर्मचारी उक्त रिसीप्ट पर नोटिंग, ड्राटिग कर अपने प्रभारी से अनुमोदन व हस्ताक्षर कराकर सम्बन्धित को म–र्वपिबम से द्वारा मेल/पोस्ट कर सकते है। उपरोक्त कार्य हेतु कार्यालय में नियुक्त समस्त कर्मचारी व लिपिकगण का डिजिटल सिग्नेचर व वी0पी0एन0 सार्टिफिकेट तैयार किये जाने के साथ साथ प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जा चुका है । ई–ऑफिस प्रक्रिया से कार्यालय के समस्त पत्र/फाइल सम्बन्धित कार्य आन लाइन हो जाने से दस्तावेजों को हमेशा के लिए सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी, फाइल, पत्र खोजने में आसानी होगी और समय की भी बचत होगी।

बाढ़ पीड़ितों को मिला बाढ़ राहत सामग्री

विधायक तरबगंज प्रेमनारायण पाडे, एडीएम, एसडीएम ने वितरित किया बाढ़ राहत किट

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। शनिवार को तहसील तरबगंज अन्तर्गत बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता और उनके जीवन को सामान्य बनाने हेतु मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर स्तर पर तत्पर है, विधानसभा क्षेत्र तरबगंज के बाढ़ प्रभावित गांवों में जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत एवं बचाव के अस्थाई कैंप में पहुंचकर निरीक्षण कर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री वितरण किया एवं देवतुल्य ग्रामवासियों का कुशल क्षेम की जानकारी ली गई, तथा हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनी, उपजिलाधिकारी तरबगंज भारत भार्गव, क्षेत्राधिकारी तरबगंज संजय तलवार, तहसीलदार तरबगंज पुष्कर मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य रामधोख मिश्रा, प्रधान ऐली मनीराम यादव व राजू सिंह, अनुज शुक्ला, भानू प्रताप सिंह सहित कई गणमान्य जन, देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास का केंद्र ब्लॉक जो खुद विकास से लाखों दूर

विकास खंड रूपईडीह पर शुलभ शौचालय, पेयजल, जर्जर भवन, प्रशिक्षण केन्द्र, जैसे मूलभूत सुविधाओं से लाखों कोस दूर

दैनिक बुद्ध का संदेश/बृजभूषण तिवारी

गोंडा। गांवों के विकास की रूपरेखा तैयार कर के विकास को गति देने का कार्य विकास खंड को दी गई है जो ग्राम पंचायतों के विकास का केंद्र बिंदु कहा जाता है। जो आज खुद विकास से लाखों कोस दूर है। मामला विकासखंड रुपईडीह से जुड़ा हुआ है जहां पर 155 राजस्व गांवों के विकास कार्यों का किया जाता है लेकिन केंद्र बिंदु ही मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं गांवों को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए लाखों रूपये खर्च कर सामुदायिक

शौचालय, व्यक्तिगत शौचालय, सहित विभिन्न मदों पर क्षेत्रों में विकास करने की ज़िम्मेदारी है लेकिन विकास खंड रूपईडीह पर शुलभ शौचालय, पेयजल, जर्जर भवन, प्रशिक्षण केन्द्र, जैसे मूलभूत सुविधाओं से लाखों कोस दूर है जहां पर क्षेत्र से आने वाले महिलाओं, पुरूषों, जनप्रतिनिधियों को शौच आदि सहित विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विकासखंड कार्यालय के सामने लाखो रूपये खर्च करने के बाद कई सालों से अर्ध निर्मित शौचालय बना हुआ है जिसमें न दरवाजे लगाया गया न ही पानी आदि की व्यवस्था किया गया। ब्लाक परिसर में बना शौचालय के खुला गढ़ढा मौत को दावत दे रहा है। लेकिन जिम्मेदार मौन व्रत धारण कर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जब कि कई बार जनपद के उच्च अधिकारियों के द्वारा दौरा कर ब्लाक परिसर का निरीक्षण किया गया और निर्देशित भी किया गया लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा संज्ञान न लेना व राजनीतिक शिकार होने से मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं जहां पर जनप्रतिनिधियों, आम जनमानस को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी से संपर्क किया गया लेकिन पक्ष की जानकारी नहीं हो सका।

ग्रोथ ड्रीम इंडिया मार्केटिंग की नई ब्रांच उद्घाटित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। ग्रोथ ड्रीम इंडिया मार्केटिंग प्राईवेट लिमिटेड लोगो

को डिजिटल मार्केटिंग करने तथा अन्तर प्रेन्योर बनाने के लिए कंपनी ने एक और नया ब्राच ओपेन किया है। कंपनी के फाउण्डर अमित कुमार के संरक्षण में मुख्य अतिथि एमडी मुख्तार आलम द्वारा फीता काटकर नये ब्रांच का उद्घाटन किया गया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कंपनी के फाउण्डर अमित कुमार ने कहा कि आज जिस तरह भारत के युवा बेरोजगारी की मार झेल रहे रहे हैं उसी बीच युवाओं को रोजगार देने का काम कंपनी लगातार कर रही है। यह एक डिजिटल प्लेटफार्म है। यहां से स्मार्ट फोन के सही तरीके से उपयोग करके पैसा कमाने की जानकारी कंपनी द्वारा दिया गया। आगे श्री कुमार ने कहा कि युवा इस डिजिटल कान्सेप्ट के माध्यम से घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकते हैं और यहां से अपना कैरियर बना सकते है। राबर्टसगंज सोनभद्र स्थित हेडआफिस के डायरेक्टर पूजा दुबे ने बताया कि कंपनी कई लोगों को रोजगार दे चुकी है और कंपनी का विजन है हर घर तक रोजगार पहुचाना। आने वाले समय में कंपनी लोगों को स्वस्थ रखने के लिए जीडीआई आर्गेनिक फार्मा को लेकर आने की तैयारी कर रही है। जिससे लोगों को आर्गेनिक प्रोडक्ट मिलने में सुविधा होगी। इस मौके पर संरक्षक अमित कुमार, इजराइल अंसारी, वकिल खा, सुभाष पंडित, पूजा वर्मा, प्रतिभा पटेल, रेशमा का ल्खो, समेत सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

पीड़ित को नहीं मिल रहा न्याय शासन से लगाई न्याय की गुहार

बूढ़ा बाप चीख रहा न्याय के लिए आखिर प्रशासन क्यों है मौन

दैनिक बुद्ध का सन्देश/अरूण शर्मा

गोला,गोरखपुर। नगर पंचायत गोला वार्ड नं 15 गोपालपुर स्थित

एक विवादित नाला 15 दिनों से लोगों का आने जाने से लेकर जीना दुर्लभ कर दिया है गोपालपुर चौराहा समीप स्थित वार्ड नं 15 अली मुल्लाह गुड्डू के मकान के समीप नाले की खुदाई हो जाने से पीड़ित परिवार शासन प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है बताते चलें अली मूला गुड्डू नगर पंचायत गोला गोपालपुर वार्ड नं 15 के निवासी हैं। पत्रकार वार्ता कर अली मूला ने बताया गोपालपुर चौराहे के समीप स्थित मेरी रियासती जो आराजी नंबर 709 मी रकबा.006 हे. व आराजी नं 710 मी रखवा 1.0345 हे. के पूर्वी जूज पर स्थित है। मकान के स्टे नाली की खुदाई हो जाने के कारण अली मुल्लाह एवं उनका पूरा परिवार सदमे में है शासन–प्रशासन के गुहार लगाने के बावजूद भी न्याय की भीख मांग रहे हैं यहां तक की थाना दिवस तहसील दिवस पर कई बार इस समस्या को लेकर तहरीर दिए हैं लेकिन प्रशासन राजस्व का मामला और नगर पंचायत का दिखा कर उन्हें अस्वस्थ कर दे रही है इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के यहां भी अली मूला ने भी तहरीर दिया है लेकिन वह इस न्याय के आस में बैठे हैं कि आखिर कब मिलेगा न्याय अली मूला ने इस मामले में बताया कि मैं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर को भी तहरीर दे चुका हूं मुख्यमंत्री के पोर्टल पर भी शिकायत किया हूं लेकिन अभी तक न्याय 15 दिनों के बाद भी न्याय नहीं मिल पाया है। मेरा इस घर से निकलना दुर्लभ हो गया है वहीं गुड्डू ने बताया बूढ़ा बाप को लेकर कहां जाएं किधर जाएं कुछ समझ में नहीं आ रहा है। निर्दल सभासद प्रतिनिधि पर आरोप लगाते हुए कहा पूर्व नगर पंचायत के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रचारक होने के कारण सभासद प्रतिनिधि सीताराम मद्धेशिया वार्ड नं 15 के प्रतिनिधि ने मुझे प्रचार करने को कहा लेकिन मैं भाजपा का समर्थक होने के कारण मैं उनका प्रचार नहीं कर सका वही पुरानी रंजिश को लेकर मेरे ऊपर हर कोशिश कर दबाव बना रहे हैं न्यायालय के आदेश के स्टे के बाद भी अब वह मेरे मकान के सामने 6 फुट गहरा नाले की खुदाई कर दिए हैं जिससे मेरा और मेरे परिवार का रहना दुर्लभ हो गया है। 'क्या है पूरा मामला'.... अली मुल्लाह गोपालपुर कस्बे में स्थित वार्ड नंबर 9 में अपने रियासती मकान के समीप नाले की खुदाई की गई है न्यायालय के आदेश पर भी नहीं मामला नहीं रुका हैं।

जिलाधिकारी ने राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज व पं दीनदयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति विद्यालय दूधी का औचक निरीक्षण किया, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दुधी के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्कूल के छात्राओं को बैठने की व्यवस्था व शिक्षा व्यवस्था के संबंध में प्रभारी प्रधानाचार्य से जायजा लेते हुए जानकारी प्राप्त की और उन्होंने प्रधानाचार्य को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय परिसर में साफ सफाई के साथ ही बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान उन्होंने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के लैब का निरीक्षण किया, निर्माणाधीन लैब कार्य की गुणवत्ता बेहतर नहीं पाई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अवर अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई हेतु पत्राचार करने के निर्देश दिए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने राजकीय इंटर कालेज के काफी दिनों से बंद पड़े प्रयोगशाला का ताला

खुलवाकर निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान लैब की साफ सफाई व्यवस्था खराब पाई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य को निर्देशित करते हुए कहा कि लैब के सौंदरीकरण हेतु प्रस्ताव बनवाकर प्रस्तुत किया जाए और लैब का सुंदरीकरण कराकर छात्रों के प्रयोग हेतु संचालित किया जाए। इस दौरान उन्होंने प्रधानाचार्य को निर्देशित करते हुए कहा कि लैब के आस पास झाड़ियों की कटाई कराकर साफ सफाई व्यवस्था बेहतर की जाए। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में लघु सिंचाई विभाग द्वारा बनाए जा रहे रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को देखा और कहा कि इसका निर्माण कार्य शीघ्र गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय के छात्रों से पठन–पाठन के संबंध में सीधा संवाद कर जानकारी ली। इस दौरान उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया तो मौके पर पाया की प्रधानाचार्य डॉ अवधेश सिंह, पंकज कुमार पांडे भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता, रजनीकांत वर्मा भूगोल के प्रवक्ता, सुनीता एल0टी0 सामाजिक विज्ञान मौके पर उपस्थित नहीं मिले, जिस पर जिलाधिकारी ने अनुपस्थित प्रधानाचार्य व अध्यापकगण के वेतन भुगतान पर रोक लगाने व स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश संबंधित को दिए। निरीक्षण के दौरान यह तथ्य भी संज्ञान में आया कि लिपिक प्रकाश चंद्र द्वारा प्रधानाचार्य के अनुपस्थिति में शिक्षकों के अवकाश प्रार्थना पत्र को स्वी.त किया जाता है, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित लिपिक के विरुद्ध भी कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित को दिए। आश्रम पद्धति विद्यालय के निरीक्षण में शिथिलता बरतने पर उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी के विरुद्ध भी पत्राचार करने के निर्देश दिए।

बच्चों ने किया प्रतिभाग मेरी माटी मेरा देश निकला तिरंगा यात्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित प्रकाश जीनियस सीनियर

सेकेंडरी स्कूल में छात्र–छात्राओं के द्वारा शनिवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य के नेतृत्व में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मेरी माटी मेरा देश अभियान में तिरंगा यात्रा विद्यालय में निकाला गया बच्चों को दिया गया एक देश के नाम सन्देश। इस दौरान बच्चे भारत माता की जय, मेरी माटी मेरा देश जिंदाबाद जिंदाबाद के नारे लगाते हुए विद्यालय परिसर का ब्राह्मण किया वही विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने इस अवसर पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए बताया कि तिरंगा यात्रा देशभक्ति राष्ट्रीय गौरव और अपनेपन की भावना पैदा करने के लिए निकल गया है मेरी माटी मेरा देश की अवधारणा देश की स्वतंत्रता और प्रगति यात्रा की याद दिलाते हुए भारत की मिट्टी के लिए जन जन के हृदय में चिंतन रूप से स्थित प्रेम को और भी सुपुषित करने और हमारी माटी में बसे वीरता के स्थाई भाव का उद्दीपन करने की भाव भूमि के समावेश की एकी.त परिकल्पना है यह कार्यक्रम 15 अगस्त तक चलाया जाना सुनिश्चित है इस मेरी माटी मेरा देश तिरंगा यात्रा में विद्यालय के सीईओ संतोष पांडेय समस्त अध्यापक तिरंगा यात्रा में शामिल रहे।

विवादों के निस्तारण के कार्यो की समीक्षा करते हुये करें निस्तारण– संजीव मित्तल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश संजीव मित्तल ने जनपद सोनभद्र के तहसील कार्यालय दुधी निरीक्षण किया, इस मौके पर अध्यक्ष ने तहसील के विभिन्न कक्ष का बारी बारी से स्वयं जाकर जायजा लिया, उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा की कार्यालय में साफ सफाई का बेहतर व्यवस्था किया जाये। तहसील के रिकार्ड रूम के निरीक्षण करते हुए कहा की पत्रांलियों का रख रखाव बेहतर तरिके से किया जाये। इस दौरान अधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्व सम्बन्धित कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में तहसील राजस्व सम्बन्धित वादो के निस्तारण, वरासत व घरौनी/स्वामित्व योजना का अभियान चलाकर निस्तारण करने का निर्देश अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी व तहसीलदार को दिये। उन्होने कहा कि वरासत अभियान के अन्तर्गत यथास्थिति एवं उनमें आने वाले विवादों के निस्तारण के कार्यो की समीक्षा करते हुये आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये, उन्होंने निर्देशित किया की तहसील स्तर पर मुकदमों के निस्तारण हेतु तहसील व नायब तहसीलदार के मध्य रोस्टर के अनुसार बटवारा सुनिश्चित किया जाय। उन्होने लम्बित वादों के निस्तारण के सम्बन्ध मे उप जिलाधिकारी दुधी को निर्देशित करते हुये कहा कि अपने स्तर से भी प्रत्येक राजस्व न्यायालय के मुकदमों के निस्तारण के सम्बन्ध में समीक्षा की जाय तथा अपेक्षित वाद निस्तारण सुनिश्चित कराया जाय। उन्होंने कहा कि वादों के समय से निस्तारण से ही जन सुनवाई जैसे विवादित मामलों में कमी लायी जा सकती है जो जन हित में अच्छी उपलब्धि होगी। उन्होने तहसीलों में अंश निर्धारण, खतौनी की फीडिंग व अन्य कार्यो हेतु यदि कम्प्यूटर आपरेटरों की कमी हो तो आवश्यकतानुसार उनकी संविदा नियुक्ति कर कार्य में प्रगति लाने के सुझाव दिए गये। इस मौके पर जिलाधिकारी ने अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश को आश्वस्त करते हुये कहा कि बैठक में उठाये गये प्रत्येक बिंदुओं में जो काफी समय से लंबित मुकदमे हैं, उनके निस्तारण मे तेजी लाने हेतु सभी आवशयक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) आशुतोष दूबे, उप जिलाधिकारी दुधी सुरेश राय,तहसीलदार ब्रजेश वर्मा सहित अन्य सम्बंधितगण उपस्थित रहें।

सांसद जगदंबिका पाल ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश
शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी सिद्धार्थनगर के विधानसभा शोहरतगढ़ के चिल्हिया मण्डल के कंदवा चौराहे से विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन सांसद जगदंबिका पाल के द्वारा जिला संयोजक कन्हैया पासवान की अध्यक्षता में किया गया इस मौके चिल्हिया मण्डल अध्यक्ष रमेश मणि त्रिपाठी महामंत्री एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ तथा पहलवान बाबा ने सांसद तथा जिला संयोजक का स्वागत किया हजारों की संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए लोग हाथो में तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जय, वंदेमातरम परिवारवाद भारत छोड़ो भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, के नारों के साथ पूरा विधान सभा गूंज गया इसी क्रम में चिल्हिया में पहलवान बाबा व धनंजय सिंह के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग स्वागत कर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए शोहरतगढ़ में चेयरमैन परिवार वालों की अगुवाई में तिरंगा चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया तथा अनिल अग्रहरी बाणगंगा चौराहे पर अनिल अग्रहरी की अगुआई में सैकड़ों लोगो ने सांसद व प्रभारी का स्वागत कर यात्रा में सामिल हुए कार्यक्रम मे पूर्व मंडल अध्यक्ष राम शंकर यादव मंडल महामंत्री पद्माकर शुक्ला सूर्य प्रकाश पांडे नर्वदेश्वर मणि राधे बाबा रोहित गुप्ता, सतीश मिश्रा, घनश्याम गुप्ता, अनिल अग्रहरी, संजय पांडे, इजहार, कालीचरण सहित सकड़ो लोग उपस्थित रहे।

समाधान दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सिद्धार्थनगर। बंदोबस्त अधिकारी चकबन्दी मेघवरण की अध्यक्ष

में थाना लोटन में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। थानाध्यक्ष चन्दन, राजस्व निरीक्षक अम्बरीश, लेखपाल रामकरन गुप्ता, अजय वर्मा, राहुल त्रिपाठी, महेन्द्र शर्मा, अखिलेश यादव, आशुतोष, अर्जुन यादव, सुभाष मौर्य, विनोद वरुण, सोनाली आदि उपस्थित रहे।

सर्पदंश से 16 वर्षीय बालक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश
उसका,सिद्धार्थनगर। मुकामी थानाक्षेत्र अंतर्गत स्थित ग्राम लक्षनपुर में शुक्रवार को रात में जहरीले सांप के काटने से एक लगभग 16 वर्षीय बालक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक लक्षनपुर गांव निवासी सुनील पासवान उम्र 16 वर्ष लगभग पुत्र बरखु शुक्रवार की रात में घर में जमीन पर परिवार के सदस्यों के साथ सोया था। रात 12 बजे के लगभग जहरीले सांप ने काट लिया। सांप काटने की घटना से घर वाले घबरा गए। आसपास के ग्रामीण एवम परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसका बाजार ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजन बेहाल है, रो रो कर उनका बुरा हाल है। बरखू के कुल 3 पुत्र एवम 4 पुत्री है। जिनमे 2 पुत्री शादीशुदा है।मृतक सुनील पासवान लडको में दूसरे नंबर का था। घर की आर्थिक स्थिति खराब है। इसी वर्ष मृत बालक पूर्व माध्यमिक विद्यालय लक्षनपुर से कक्षा 8 उत्तीर्ण किया था।

स्मार्ट फोन एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सिद्धार्थनगर। जिले के लोटन ब्लाक क्षेत्र के कल्पनाथ सिंह महिला महाविद्यालय में स्मार्ट फोन एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में जिले के सांसद जगदंबिका पाल शामिल हुए इनके अलावा वरिष्ठ समाज सेवी एवं प्राईवेट महाविद्यालय संघ के जिलाध्यक्ष मुमताज़ अहमद शामिल हुए। इस दौरान सांसद के पहुँचने पर स्कूल प्रबंधन के लोगों ने फूल मालाओं के साथ सांसद जगदंबिका पाल का स्वागत किया। इस कार्यक्रम मे मौजूद 56 छात्राओ को सांसद द्वारा स्मार्ट फोन वितरण किया गया। इस दौरान सांसद ने सभी को स्मार्ट फोन की उपयोगिता को लेकर जानकारी दिया और बताया कि किस प्रकार से वह स्मार्ट फोन का प्रयोग कर किसी भी प्रकार की शैक्षिक जानकारी को इंटरनेट के माध्यम से जान सकते हैं।

बरसात से सड़क धसी दुर्घटना की आशंका

दैनिक बुद्ध का सन्देश
उसका,सिद्धार्थनगर। कस्बा के सेखुईया से सटे उसका लखना

पार बांध से आने वाली सड़क लगातार बारिश होने से धस गई और इसका साइड वाल भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे राहगीरों में दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। इस सड़क के कछार क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोग उसका कस्बा प्रतिदिन रोजमर्रा की बस्तुओ की खरीददारी, बैंक, डाकघर, बच्चे स्कूल आते है। सड़क खराब होने से राहगीरों में दुर्घटना की आशंका व्याप्त है। क्षेत्र के लोगो ने प्रशासन से अविलंब सड़क मरम्मत की मांग की है।

थाना लालगंज पर आयोजित हुआ समाधान दिवस

दैनिक बुद्ध का सन्देश
बस्ती। पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल .ष्ण चौधरी द्वारा थाना

समाधान दिवस के अवसर पर थाना लालगंज पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस अधीक्षक बस्ती द्वारा थाना लालगंज पर आये फरियादियों की समस्याओं को सुनकर राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों की टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों को गंभीरता से लेकर शत–प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

देश की माटी सर पर रखकर निकाली तिरंगा यात्रा

दैनिक बुद्ध का सन्देश
सिद्धार्थनगर। आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत शनिवार को सदर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय झंडे नगर के शिक्षकों एवं बच्चों ने तिरंगा यात्रा निकाल कर गाँव वासियों को राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत किया। गाँव के खेतों, बाग बगीचों, पोखारों और विद्यालय परिसर की माटी को सजे हुए कलशों में भरकर उसे अपने सरों पर रखकर

गाँव में घूमते बच्चों के साथ गाँव वासी भी भारत माता की जय के नारे लगाते रहे। तिरंगा रैली से पूर्व बच्चों ने अपने हाथों से तिरंगे ध्वज बनाकर चित्र कला प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रधानाध्यापक नियाज़ अहमद कपिलवस्तुवी एवं सहायक अध्यापिका साधना श्रीवास्तव ने अभिभावकों एवं गाँव वासियों से अपने अपने घरों पर तिरंगा ध्वज फहराकर आज़ादी का अमृत महोत्सव धूमधाम से मनाने की अपील की। महिमा चौहान, रोहिणी, अर्चना, जनक दुलारी, मोतीलाल आदि अभिभावकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

गर्ल्स लीडरशिप में दो छात्राओं का हुआ चयन

दैनिक बुद्ध का सन्देश
डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। गर्ल्स लीडरशिप सम्मिट टॉप परफॉर्मेंस स्कूलों में डुमरियागंज विकासखंड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौहनिया राज को भी शामिल किया गया है। यहां की दो छात्राएं काजल मौर्या व फ़िज़ा गर्ल्स लीडरशिप सम्मिट में चयनित हुई है। इस चयन पर स्थानीय अभिभावकों एवं शिक्षकों में हर्ष व्याप्त है। जानकारी के मुताबिक ये चयन आज़ादी के पर्व के लिए आयोजित किया जाएगा। इसका लक्ष्य है कि छात्राओं को एक अच्छा लीडर बनाया जा सके और उसमें आत्मविश्वास की भावना जागृत हो। इसमें चुनी गई छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर अपने स्कूल के विकास के बारे में बताएंगी। और स्कूल के जिन भी कामों से समाज में बदलाव आया, उसे इस प्रतियोगिता के माध्यम से व्यक्त करेंगी। इस बारे में जानकारी देते हुए पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौहनिया राज के प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ उस्मानी ने बताया कि उनके विद्यालय से काजल मौर्या व फिज़ा का चयन हुआ है। इस प्रतियोगिता में वो अपना काम बताएंगी जो उन्होंने अपने स्कूल के विकास के लिए किया है। वही विद्यालय में तैनात अनुदेशक कुलदीप कुमार जिनके देखरेख में बच्चे कई प्रतियोगिताओं में बेहतर ढंग से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों छात्राएं काफी प्रतिभावान है। छात्राओं के इस चयन पर शिक्षक नसीम अहमद, दिनेश सिंह, अर्जुन प्रसाद, अहमद सईद, सुनील सिंह, नफीस हैदर, मोहम्मद नदीम, तौकीर हसन, अगेय गौतम, अभिषेक कुमार आदि ने बधाई दी है।

हर घर तिरंगा रैली निकालने के बाद पंच प्रण भी लिए विद्यार्थी

दैनिक बुद्ध का सन्देश
गोला,गोरखपुर। गोला क्षेत्र के बंशी चन्द पी जी कालेज

चिलवां के प्रवक्ता डा राणा सत्यप्रकाश सिंह सिसौदिया के नेतृत्व में छात्र–छात्राओं द्वारा 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान हेतु तिरंगा रैली निकाली गई। इस रैली में समस्त छात्र–छात्राओं ने अपने हाथों में तिरंगा झंडा लिए हुए थे। यह रैली महा विद्यालय प्रांगण से निकल कर पहाड़पुर, पटौहां, ढखवार और पंचमुखी हनुमान मंदिर होते हुए विद्यालय प्रांगण में आ कर रुकी। विद्यालय केन्द्र पर विद्यार्थियों को अमृत काल के पंच प्रण एवंम् हर घर तिरंगा पर शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को ष्पंच प्रणष हिंदी विभागाध्यक्ष डा आलोक कुमार सिंह ने दिलाया। ए पंच प्रण मै सपथ लेता हूं कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाऊंगा और गुलामी की मानसिकता से मुक्ति हेतु हर सम्भव प्रयास करुंगा। मै सपथ लेता हूं कि देश की समृद्धि विरासत पर गर्व करुंगा और उसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करता रहूंगा। मै सपथ लेता हूं कि मै देश की एकता और अखंडता के लिए प्रयास रत रहुंगा। मै सपथ लेता हूं कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और दायित्वों का पालन करता रहूंगा। मै सपथ लेता हूं कि देश के गवरौ के लिए प्राण देने वाले बीरो से प्रेरित होकर राष्ट्र के रक्षा, सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहूंगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. कौशलेश मिश्र और संचालन डा. रोहित चन्द कौशिक ने किया। इस अवसर पर सर्वदानन्द शाही, कुमारी नुतन दुबे, डा. ममता शर्मा, संतोष सिंह आदि सहित समस्त छात्र–छात्ताएं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवकाश पर आया सेना का जवान घर से हुआ गायब, परिजनों ने पुलिस को दी तहरीर

कुशीनगर। जनपद के पटहेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम पड़री विशुन दयाल निवासी व भारतीय सेना में कार्यरत सेना का जवान छुट्टी पर घर आया था। बीते गुरुवार की सायं वह परिजनों से कह कर टहलने जाने के घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा। वह अपना मोबाइल भी घर पर छोड़ गया है। जिससे उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। अनहोनी की आशंका से चिंतित पिता ने पुलिस को तहरीर सौंप कार्यवाही की मांग की है। उक्त थाना क्षेत्र के उक्त गांव निवासी रामकिशोर राय ने पुलिस को दिये तहरीर में कहा है कि भारतीय सेना में तैनात उनका पुत्र अविनाश राय गत तीन अगस्त को छुट्टी पर घर आया। गुरुवार की सायं वह टहलने के लिए घर बाहर गया। काफी देर बीत जाने के बाद भी वापस नही लौटा। वह अपना मोबाइल फोन भी घर पर छोड़ गया है। जिससे उससे संपर्क नहीं हो सका। हरसंभव जगह तलाशने के बाद भी पता न चलने पर पुलिस को तहरीर सौंपी है। पटहेरवा पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर सेना के जवान की तलाश में जुटी हुई है।

विशाल शिव जागरण 21 को

दैनिक बुद्ध का सन्देश
उसका,सिद्धार्थनगर। 21 अगस्त दिन सोमवार नागपंचमी के महापर्व पर झारखंडी महादेव मंदिर महदेवा राय के प्रांगण में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी विशाल शिव जागरण का आयोजन शाम 8 बजे से किया गया है। उक्त जानकारी कार्यक्रम आयोजक योगेंद्र यादव ने देते हुए बताया कि इस बार यह पांचवा आयोजन है।

थाना समाधान दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश
उसका,सिद्धार्थनगर। शनिवार को मुकामी थाना परिसर में थाना समाधान का आयोजन हुआ। कुल 4 लोगो का पहुंचा शिकायती पत्र। सीओ सदर अखिलेश वर्मा, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार सरोज ने सभी मामलों का गहराई से जांच पड़ताल किया। चार मामले में से दो का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष दो मामले में संबंधित को कारवाई के लिए निर्देशित किया गया।

सम्पादकीय

इस बिल के कानून बनने के बाद ऐसा करना जोखिम भरा हो जाएगा। पत्रकारों और मीडिया घरानों पर इस कानून के तहत कार्रवाई का खतरा मंडराता रहेगा। सरकार का दावा है कि यह कानून नागरिकों के डेटा को संरक्षित करने के लिए बनाया जा रहा है। मगर बिल के प्रावधानों से ऐसा भरोसा नहीं बंधा है। बेहतर होता कि सरकार सभी हित–...

सरंक्षण या सरकार का शिकंजा?

संदेह है कि प्रस्तावित डेटा संरक्षण कानून से नागरिकों के डेटा का संरक्षण तो नहीं होगा, उलटे सूचना का उनका कानूनी अधिकार जरूर सीमित हो जाएगा। आरटीआई के तहत अब तक मांगी जा सकने वाली कई सूचनाएं अब सार्वजनिक होने से बच जाएंगी। केंद्र सरकार ने विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में डेटा प्रोटेक्शन बिल को ध्वनि मत से पास करा लिया। राज्यसभा से भी यह बिल पास हो जाएगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन विधेयक को पारित कराते हुए सरकार ने विपक्ष और इस क्षेत्र के जानकारों की चिंताओं का निवारण करने की कोशिश नहीं की है। जबकि यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि प्रस्तावित कानून से नागरिकों के डेटा का संरक्षण तो नहीं होगा, उलटे सूचना का उनका कानूनी अधिकार जरूर सीमित हो जाएगा। बिल में प्रावधान कर दिया गया है कि सरकारी पदाधिकारियों का डेटा को संरक्षित किया जाएगा। इस तरह आरटीआई के तहत अब तक मांगी जा सकने वाली कई सूचनाएं अब सार्वजनिक होने से बच जाएंगी। दूसरी तरफ बिल में केंद्र सरकार को कई तरह की छूट दी गई है। इसके तहत सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, व्यवस्था बनाए रखने जैसे मामलों में डेटा सुरक्षा के नियम पालन के लिए बाध्य नहीं होगी और लोगों की व्यक्तिगत जानकारियों का इस्तेमाल कर सकेगी। उधर ऑनलाइन कंपनियों की मुश्किल भी बढ़ेगी। बिल में कहा गया है कि अगर किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को डेटा सुरक्षा से जुड़े मामले में दो बार सजा सुनाई जाती है, तो इसके बाद सरकार उसे भारत में बैन करने पर भी विचार कर सकती है। डेटा सुरक्षा के उल्लंघन के मामलों में 2.5 अरब रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। प्रस्तावित कानून पत्रकारों के लिए भी नई चुनौतियां खड़ी करेगा। पत्रकार संगठनों का कहना है कि कई मौकों पर पत्रकारों को लोगों की व्यक्तिगत जानकारियां सार्वजनिक करनी पड़ती हैं। इस बिल के कानून बनने के बाद ऐसा करना जोखिम भरा हो जाएगा। पत्रकारों और मीडिया घरानों पर इस कानून के तहत कार्रवाई का खतरा मंडराता रहेगा। सरकार का दावा है कि यह कानून नागरिकों के डेटा को संरक्षित करने के लिए बनाया जा रहा है। मगर बिल के प्रावधानों से ऐसा भरोसा नहीं बंधा है। बेहतर होता कि सरकार सभी हित–धारकों की चिंताओं का निवारण करने के बाद यह बिल संसद में लाती। लेकिन आज के दौर में ऐसी अपेक्षा करना कुछ ज्यादा मांगने जैसा हो गया है।

गैर–बराबरी के आंकड़े

साल 2022–23 में कोरोना काल से पहले के आखिर वित्त वर्ष की तुलना में एक करोड़ से ज्यादा सालाना आमदनी बताने वाले लोगों की संख्या 49.4 प्रतिशत बढ़ी। जबकि इसी अवधि में पांच लाख तक आमदनी वाले लोगों की संख्या सिर्फ 1.4 प्रतिशत बढ़ी। गुजरे वित्त वर्ष के लिए फाइल किए गए इनकम टैक्स रिटर्न के आंकड़ों ने एक बार फिर से भारत में आमदनी की बढ़ रही गैर–बराबरी की कहानी बयान की है। हालांकि अभी तक सरकार ने 30 जून तक फाइल हुए रिटर्न्स के आंकड़े ही जारी किए हैं, इसके बावजूद कहा जा सकता है कि उससे जो ट्रेंड दिखा है, उसमें अंतिम आंकड़ों से भी ज्यादा बदलाव होने की संभावना नहीं है। यह कहने का आधार बड़ी कंपनियों के मुनाफे और डिविडेंड वितरण का रुझान भी है। इन सबकी दिशा यही बताती है कि अर्थव्यवस्था का अंग्रेजी के अक्षर के जैसा स्वरूप लगातार मजबूत होता जा रहा है। मतलब यह कि ऊपर के हिस्से पर मौजूद छोटी–सी आबादी की आय और धन दोनों में तेजी से वृद्धि हो रही है, जबकि निचली डंडी पर मौजूद लोग गतिरुद्ध अवस्था में हैं। आय कर रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने बताया है कि 2022–23 में कोरोना काल से पहले के आखिर वित्त वर्ष की तुलना में एक करोड़ से ज्यादा सालाना आमदनी बताने वाले लोगों की संख्या में 49.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। जबकि इसी अवधि में पांच लाख तक आमदनी वाले लोगों की संख्या सिर्फ 1.4 प्रतिशत बढ़ी। चूंकि आईटी रिटर्न्स से उन लोगों के हाल के बारे में मालूम नहीं होता, जिन्हें इन्हें फाइल करने की औपचारिकता पूरी करने की मजबूरी नहीं है। अभी अंतिम आंकड़े सामने नहीं हैं, लेकिन पिछले वित्त वर्षों के आधार पर अनुमान लगाएं, तो 140 करोड़ की आबादी में रिटर्न फाइल करने वाले लोगों की संख्या अधिकतम साढ़े आठ से नौ करोड़ से ज्यादा नहीं होगी। बाकी लोगों की वास्तविक आय घटने और इसके कारण उनके बीच मांग और उपभोग की गिरावट पिछले कई वर्षों से एक स्थायी कहानी बनी हुई है। दूसरी तरफ एक करोड़ रुपये से अधिक की सालाना आय वाले लोगों की संख्या बढ़ी है, तो इसका सीधा कारण कुछ खास क्षेत्रों की कंपनियों के शेयर भाव में भारी इजाफा और उसके आध ाार पर शेयरधारकों को दिया गया ज्यादा डिविडेंड है। वैसे यह वितरण भी खासा असमान रहा है। परंतु यह बड़ा मसला आम चर्चा में कहीं नहीं है।

चीन की माली दशा बिगड़ रही!

इसके नतीजे में कंपनियां निवेश में कटौती करेंगीं क्योंकि उनका मुनाफा गिरेगा और अंततः या तो नई नौकरियां मिलना बंद हो जाएंगीं या कर्मचारियों की छटनीहोगी। खबर के मुताबिक चीनी अधिकारी जाने–माने अर्थशास्त्रियों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे नकारात्मक मुद्रास्फीति सहित अर्थव्यवस्था संबंधी निराशाजनक मुद्दों की चर्चा नहीं करें ।जाहिर है चीन को अपने नागरिकों की दशा–दिशा और ...

श्रुति व्यास

यों कोविड काल से ही चीन की अर्थव्यवस्था डावांडोल है। पर अब लाल झंडी लिए हुए हैं। ताजा सरकारी आंकड़ों के मुताबिक दो साल में पहली बार गुजरे महीने खुदरा कीमतों में गिरावट देखी गई। साल–दर–साल पैमाने पर जून 2023 तक रिटेल प्राइस इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं आया था ।पर जुलाई 2023 में इसमें 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई ।जाहिर है लोग खरीदारी कम कर रहे है। जुलाई के आंकड़े, सन् 2021 की शुरूआत के बाद पहली बार चीन में नकारात्मक मुद्रास्फीति की स्थिति दर्शा रहे हैं। सन 2021 में कीमतें घट रहीं थीं क्योंकि कोविड–19 महामारी के कारण मांग कम होने की वजह से पोर्क (सूअर के मांस) की कीमतों में गिरावट थी।

ये आंकड़े आयात–निर्यात के आंकड़ों के जारी होने के अगले दिन आए। विदेश व्यापार के जुलाई आंकडे में आयात–निर्यात में अधिक गिरावट है क्योंकि दुनिया में चीन के माल की मांग कम हो गई है।

चीन के खुदरा व्यापारियों को बिक्री में गिरावट से जूझना पड़ रहा है। मतलब जिन खुदरा व्यापारियों ने महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों के हटने के बाद मांग में वृद्धि की उम्मीद में बड़ी मात्रा में माल अपने गोदामों में भर लिया था, उन पर अब कीमतें घटाने का दबाव है। टेस्ला और अन्य कंपनियों द्वारा कारों के दामों में कटौती हुई है। कीमतें घट गईं हैं। कीमतों में कमी आने के बावजूद खरीदारी कम होने के मद्देनजर चीनी कारखाने उत्पादित माल के दाम घटा रहे हैं। चीन की उत्पादक मूल्य मुद्रास्फीति, जो कारखानों द्वारा बेचे जाने वाले माल की कीमतें दर्शाता है, जून में साल–दर–साल के पैमाने पर 5.4 प्रतिशत थी। हालांकि दूसरी तिमाही में चीनी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर साल–दर–साल के आधार पर 6.3 प्रतिशत रही, लेकिन वह भी उम्मीद से कम थी। वह भी 2022 के उस कमजोर आधार वर्ष के मुकाबले, जब शंघाई और कई अन्य शहरों में लाकडाउन लगा था। दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था पहली तिमाही की तुलना में केवल 0.8 प्रतिशत बढ़ी।

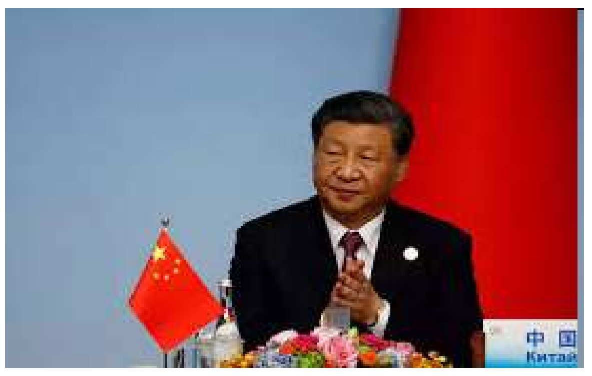

चीनियों को लगता है कि आंकड़े जो दिखा रहे हैं, असल में उससे भी बदतर अर्थव्यवस्था है। छोटे शहरों में घरों की कीमतें घट रहीं हैं। जून में बड़े शहरों में भी यही स्थिति थी। गार्जियन की खबर के मुताबिक चीनी हाऊसिंग कंपनिया बिक्री बढ़ाने के लिए संभावित ग्राहकों को सोने की छड़ें, नई कारें और मोबाईल फोन उपहार में देने की पेशकश कर रहे हैं ।जबकि युवा वर्ग रोजगार के मोर्चे पर अंधकारमय हालातों के चलते घर खरीदने का इरादा छोड़ रहे है। इतना ही नहीं शादी और बच्चे पैदा करने के फैसले भी मुल्तवी कर रहे हैं। निवेश घट गया है। विशेषकर विदेशी कंपनियां चीन में और निवेश करने में हिचकिचा रही हैं। स्थानीय शासन संस्थाएं अलग पैसे की कमी से जूझ रहीं हैं।

चीन पुराने अच्छे दिन लौटाने, आर्थिकी में वापिस रफ्तार के लिए संघर्ष कर रहा है। लेकिन निवेशकों और विश्लेषकों के अनुसार चीनी सरकार निश्चिंत है। अधिकारी नकारात्मक मुद्रास्फीति जैसी चिंताओं को तव्वजो नहीं दे रहे हैं। सेन्ट्रल बैंक के डिप्टी गवर्नर लिऊ गुओकींग ने पिछले महीने कहा कि साल की दूसरी छमाही में अर्थव्यवस्था के सिकुडने की कोई संभावना नहीं है। और यह भी कि महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को दुबारा पटरी पर आने में वक्त लगेगा।

कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चीन में आगे वस्तुओं और सेवाओं की कितनी मांग होगी, यह बीजिंग के नीतिगत निर्णयों पर निर्भर करेगा। कुछ का सुझाव है कि सरकार को उपभोक्ता खर्च तथा रोजगार सृजन के लिए बड़ी योजना पर अमल करना चाहिए। लेकिन कर्ज के भारी बोझ के चलते, खासकर स्थानीय शासन के स्तर पर, ऐसा करना मुश्किल है। इसकी बजाए अधिकारी मौद्रिक नीति संबंधी कदमों जैसे ब्याज दरों में कमी का सहारा ले रहे हैं। ब्याज दरों में लम्बे समय से लगातार कटौती की जा रही है। लेकिन नकारात्मक मुद्रास्फीति से आर्थिक विकास पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि उपभोक्ता भविष्य में कीमतें घटने की उम्मीद में उत्पादों की खरीदी रोक देंगे। इसके नतीजे में कंपनियां निवेश में कटौती करेंगीं क्योंकि उनका मुनाफा गिरेगा और अंततरू या तो नई नौकरियां मिलना बंद हो जाएंगीं या कर्मचारियों की छटनीहोगी। खबर के मुताबिक चीनी अधिकारी जाने–माने अर्थशास्त्रियों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे नकारात्मक मुद्रास्फीति सहित अर्थव्यवस्था संबंधी निराशाजनक मुद्दों की चर्चा नहीं करें ।जाहिर है चीन को अपने नागरिकों की दशा–दिशा और समस्याओं की चिंता नहीं है मगर हां, उसे अपनी आर्थिक शक्ति की इमेज और दीर्घकालीन मंसूबों की चिंता जरूर है!

सरकार मजबूर है, समाजवादी नहीं!

लेकिन पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि सरकार कंपनियों को भारत में फैक्टरी लगाने के लिए मजबूर करने के वास्ते ऐसा कर रही हैं। इस नीति का फायदा घरेलू कंपनियों को मिल सकता है। एक चर्चा यह भी है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एक अगस्त को जियो बुक नाम से अपना लैपटॉप लॉन्च किया, जिसकी कीमत उसने 16 हजार रुपए रखी है। और उसके दो दिन बाद ही सरकार ने लैपटॉप के ...

अजीत द्विवेदी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने लैपटॉप, पर्सनल कंप्यूटर और टैबलेट के आयात को सीमित करने के लिए एक नीति की घोषणा की है। पहले कहा गया था कि आयात को सीमित करने वाली यह नीति तत्काल लागू होगी लेकिन 24 घंटे के अंदर इसे लेकर ऐसी हायतौबा मची की सरकार ने इसे तीन महीने के लिए टाल दिया। अब यह नीति एक नवंबर से लागू होगी। इस नीति में सरकार ने सिर्फ इतना कहा है कि लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट के आयात के लिए कंपनियों को लाइसेंस लेना होगा। इसका यह कतई मतलब नहीं है कि अब विदेश में बने उत्पाद भारत में नहीं बिकेंगे। इसका सिर्फ इतना मतलब है कि जैसे पहले एप्पल, सैमसंग, डेल जैसी कंपनियां जो विदेश में अपने उत्पाद बनाती थीं और भारत में लाकर बेच देती थीं वैसे नहीं बेच पाएंगी। पहले उन्हें सिर्फ आयात शुल्क चुकाना होता था और अपने उत्पाद बेचने की छूट थी। अब उन्हें इसके लिए लाइसेंस यानी सरकार से मंजूरी लेनी होगी।

सरकार कारोबार सुगमता रेटिंग में चाहे कितनी भी ऊपर चली जाए लेकिन सबको पता है कि उससे किसी कारोबार की मंजूरी या लाइसेंस लेना कितना मुश्किल होता है। तभी जैसे ही सरकार ने इस बारे में नोटिस जारी किया वैसे ही इसका विरोध शुरू हो गया और इसे पुरानी समाजवादी अर्थव्यवस्था की और लौटने का कदम बताया जाने लगा। इसमें दिलचस्प बात यह है कि सरकार के विरोधियों ने भी अपने तर्क से इस नीति की मुखालफत की तो सरकार के समर्थकों ने अपने तर्कों से इसका विरोध किया। किसी ने समाजवादी नीतियों की वापसी बताई तो किसी ने कोटा परमिट राज का लौटना बताया। इससे कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने गैर बासमती चावल के निर्यात पर भी पाबंदी लगाई थी। उसके साथ ही इस नीति को मिला कर देखा गया और यह प्रमाणित किया गया कि सरकार पुराने रास्ते पर लौट रही है। लेकिन हकीकत यह है कि सरकार समाजवादी नहीं हुई है। ज्यादा से ज्यादा उसे संरक्षणवादी कह सकते हैं। इस तरह की नीतियां अमेरिका से लेकर यूरोप तक के देश समय समय पर आजमाते रहे हैं।

बहरहाल, पुराना रास्ता या मिश्रित अर्थव्यवस्था का रास्ता वह है, जिस पर आजादी के बाद भारत चला था। आजादी के बाद 45 साल तक भारत में कोटा, परमिट, लाइसेंस राज था। हर काम के लिए सरकार से अनुमति लेनी होती थी। नरसिंह राव की सरकार ने 1992 में इस व्यवस्था को बदला था। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को कई तरह के बंधनों से मुक्त कर दिया था। हालांकि तब यह बहस होती रही थी कि देश इसके लिए तैयार है या नहीं? इसमें कोई संदेह नहीं है कि उस समय भारत और भारत के निजी कारोबारी विदेशी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार नहीं थे। इसके बावजूद आजादी के 45 साल की बदली हुई स्थितियों में भारत की आर्थिक नीतियों में बदलाव जरूरी था, जो हुआ। दूसरा और तात्कालिक कारण यह था कि 1991 के आर्थिक संकट के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली था, जिसे भरने के लिए जरूरी था कि बाहर से डॉलर आए। नरसिंह राव की नीतियों से बदलाव भी हुआ और डॉलर भी आया। उसके बाद से कभी भी भारत का विदेशी मुद्रा भंडार खाली नहीं हुआ है।

उसके बाद से अब तक भारत की सरकारें उसी रास्ते पर चलती रही हैं। लेकिन केंद्र सरकार के हाल के दो फैसलों, गैर बासमती चावल का निर्यात रोकने और लैपटॉप के आयात को सीमित करने के बाद सरकार की इस बात के लिए आलोचना हो रही है कि वह समाजवादी नीतियां या कोटा, परमिट लाइसेंस राज की नीतियां वापस ला रही है। सरकार की इस आलोचना में असल कारण आर्थिक या सरकार से नाराजगी नहीं है, बल्कि समाजवादी नीतियों से चिढ़ है। ध्यान रहे पिछले तीन–चार दशकों में दुनिया में उदार लोकतंत्र और सार्वभौमिक पूंजीवाद की नीतियों को सर्वश्रेष्ठ मानने का चलन बढ़ा है। यह माना जाता है कि दुनिया के लिए सबसे अच्छा रास्ता यही है। चूंकि इस रास्ते के लिए वैचारिक स्तर पर चुनौती सिर्फ समाजवाद की नीतियों से है, जिसका मूल तत्व है कि, श्नहीं किसी को बहुत अधिक हो नहीं किसी को कम होय। हैरानी की बात है कि जिन लोगों को देश और दुनिया में बढ़ती आर्थिक विषमता से परेशानी है उनको भी समाजवादी नीतियों से चिढ़ है! हालांकि यहां यह स्पष्ट कर देना जरूरी है कि सरकार की नीतियों का समाजवाद से कोई लेना–देना नहीं है। उसकी दूसरी मजबूरियां हैं, जिसकी वजह से ऐसे फैसले हुए हैं।

असल में कोरोना वायरस की महामारी फैलने के बाद जब इलेक्ट्रोनिक्स सामानों की कमी हुई तो सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ट इनसेंटिव यानी पीएलआई स्कीम लागू की थी। इस योजना के तहत सरकार ने 14 अलग अलग सेक्टर की कंपनियों को सामान बना कर बेचने पर पांच साल तक के लिए सब्सिडी देने की घोषणा की थी। यह सब्सिडी सामान की कीमत के तीन से पांच फीसदी तक हो सकती थी। इसका फायदा भी हुआ। मिसाल के तौर पर मोबाइल हैंडसेट के निर्यात का जिक्र किया जा सकता है। भारत में इसका कोई निर्यात नहीं होता था लेकिन पिछले वित्त वर्ष में 90 हजार करोड़ का मोबाइल हैंडसेट भारत से निर्यात हुआ है, जिसमें आधा हिस्सा एप्पल के मोबाइल हैंडसेट का है।

हालांकि लैपटॉप और कंप्यूटर के मामले में सरकार की पीएलआई स्कीम सफल नहीं हुई। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एप्पल या दूसरी कंपनियां भारत में लैपटॉप या कंप्यूटर बनाने नहीं आईं। उलटे भारत सरकार की ओर से दी जाने वाली इनसेंटिव की राशि बढ़ती गई। सो, ऐसा लग रहा है कि सरकार ने लैपटॉप, कंप्यूटर और टैबलेट बनाने वाली कंपनियों को मजबूर करने के लिए यह कदम उठाया है। हो सकता है कि लाइसेंस राज की वजह से कंपनियां भारत में अपनी फैक्टरी लगाएं और उत्पादन शुरू करें। इससे भारत को दोहरा फायदा है।

मुकेश कुमार जिस तरह से प्रगति कर रहा है, उससे बहुत खुश हूं: भारतीय गेंदबाजी कोच

लॉडेरहिल (फ्लोरिडा)। भारतीय गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने सभी तीनों प्रारूपों में भारत के लिए खेलने की काबिलियत दिखायी है जिससे उनके कार्यभार का प्रबंधन इसके अनुसार ही किया जायेगा। वेस्टइंडीज के दौरे पर इस तेज गेंदबाज को सभी तीनों प्रारूपों में पदार्पण का मौका मिला। फ्लोरिडा में चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले म्हाम्ब्रे ने मुकेश की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

म्हाम्ब्रे ने शुक्रवार को कहा, ''वह जिस तरह से प्रगति कर रहा है, उससे बहुत खुश हूं। उसकी सोच, हमने उससे जो चर्चा की थी और खेल के प्रति उसका रवैया बहुत ही शानदार है।'' उन्होंने कहा, ''आपको

ऐसे ही खिलाड़ी की जरूरत है जो यहां एक दौरे पर आये, कड़ी प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ अलग से विकेट पर खेले जो कभी भी आसान नहीं होता। लेकिन उसने जिस तरह की गेंदबाजी की है और जो जज्बा दिखाया है, उससे हम काफी खुश हैं।''

म्हाम्ब्रे ने कहा, ''हम जानते हैं कि वह सभी तीनों प्रारूपों में खेलने की काबिलियत रखता है, लेकिन हमें उसके कार्यभार प्रबंधन में काफी स्मार्ट होना होगा। उसने काफी घरेलू क्रिकेट खेला है और अपनी गेंदबाजी में निखार किया।'' कैरेबियाई सरजमीं की धीमी विकेट की तुलना करते हुए गेंदबाजी कोच को अमेरिका की पिच के बल्लेबाजों के मददगार होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''यह थोड़ी अलग है, यहां की मिट्टी काली है जैसी भारत के उत्तरी हिस्से की होती है। यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होने वाला है। गेंद सीधे बल्ले पर आयेगी। हमने नेट में यही देखा था। लगता है कि यह बड़े स्कोर वाला मैच होगा।'' भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला में अब भी वेस्टइंडीज से 1–2 से पिछड़ रही है लेकिन म्हाम्ब्रे को टीम की वापसी का पूरा भरोसा है।

पाकिस्तान टीम के भारत में खेलने पर बोला विदेश मंत्रालय, बाकी टीमों जैसा होगा व्यवहार...

आगामी वर्ल्ड कप के लिए

पाकिस्तान टीम भारत आएगी। जिसके लिए उनकी सरकार ने हामी भर दी है लेकिन उससे पहले उन्होंने भारत में सिक्योरिटी को लेकर चिंता जताई थी। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बयान दिया है। दरअसल, उन्होंने कहा है कि, पाकिस्तान को भारत में स्पेशल ट्रीटमेंट नहीं मिलेगा, उनके साथ अन्य टीमों की तरह ही व्यवहार किया जाएगा।

बता दें कि, 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक भारत में वर्ल्ड कप का आयोजन होना है। पहली बार ऐसा होगा कि जब भारत पूरे वर्ल्ड कप की मेजबानी खुद करेगा। वर्ल्डकप में पाकिस्तान टीम की सुरक्षा को लेकर सवाल किया गया तो अरिंदम बागची ने कहा कि जिस तरह टूर्नामेंट में जाने वाली अन्य टीमों के साथ व्यवहार होगा। उसी तरह पाकिस्तान टीम के साथ भी व्यवहार किया जाएगा। सिक्योरिटी की बात है तो सुरक्षा एजेंसियों और टूर्नामेंट के आयोजनों से ये सवाल किए जाने चाहिए।

वहीं, वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच 14 अक्टूबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान टीम ने सिक्योरिटी को लेकर चिंता जाहिर की थी। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बेहतर सुरक्षा की मांग रखते हुए टीम को भारत भेजनी की इजाजत दी। भारत ने भी एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से मना किया था, जिस कारण एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान और श्रीलंका में किया जाएगा। भारत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा। फाइनल भी श्रीलंका में होगा।

हवाई में जला 150 साल पुराना भारत का बरगद, जन्नत जैसे खूबसूरत शहर को आग की लपटों ने कैसे बना दिया जहन्नुम

प्रशांत महासागर में एक द्वीपसमूह हवाई जो अपनी सुरम्य प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है और एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। आग ने विशेष रूप से माउई द्वीप (होनोलूलू की राजध ानी से 167 किमी दूर स्थित) को प्रभावित किया है, साथ ही ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थल के रूप में जाने जाने वाले लाहिना शहर को भी काफी नुकसान हुआ है। 9 अगस्त से अमेरिकी राज्य हवाई में बड़े पैमाने पर जंगल की आग फैल रही है, जिसमें 11 अगस्त तक मरने वालों की संख्या 55 तक पहुंच गई है। बिजली की लाइनें गिरने और 675 एकड़ से अधिक भूमि जल जाने के कारण व्यापक विनाश देखने को मिला। राज्य के गवर्नर जोश ग्रीन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लाहिना शहर को लगभग पूरी क्षति हुई है। कुछ दुर्लभ अपवादों के साथ लाहिना जल गया। बिना किसी संदेह के ऐसा लगता है जैसे लाहिना पर बम गिराया

गया हो। प्रशांत महासागर में एक द्वीपसमूह हवाई जो अपनी सुरम्य प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है और एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। आग ने विशेष रूप से माउई द्वीप (होनोलूलू की राजधानी से 167 किमी दूर स्थित) को प्रभावित किया है, साथ ही ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थल के रूप में जाने जाने वाले लाहिना शहर को भी काफी नुकसान हुआ है। आग की वजह से यहां अब सब

हवाई में क्या हो रहा है?

हवाई के माउई काउंटी में आग की शुरुआत पहले सूखे पौधों से शुरू हुई। फिर देखते ही देखते ये आबादी वाले इलाकों तक पहुंच गई। शुष्क मौसम और गुजरते तूफान की तेज हवाओं ने आग को बढ़ावा दिया। हैना फॉरेस्ट रिजर्व से सटा हुआ है। यहां 1700 के करीब की लकड़ी की इमारतें बनी हुई हैं। बर्बाद हो गया है। अमेरिका अध िकारियों ने अभी तक ये नहीं बताया है कि आखिर किस वजह से आग लगी।

माउई और लाहिना का ऐतिहासिक महत्व क्या है?

लाहिना 1820 से 1845 तक पूर्व हवाई साम्राज्य की राजधानी थी। यह शहर कभी राजा कामेहामेहा का शाही निवास था, जिन्होंने अन्य द्वीपों के प्रमुखों को हराकर हवाई को एक राज्य के तहत एकीकृत किया था। राजाओं और रानियों को 200 साल पुराने पत्थर के वेनी चर्च के कब्रिस्तान में दफनाया गया है। बाद में इस चर्च का नाम वाइओला रखा गया, जिस चर्च में कभी 200 लोग बैठते थे, इस सप्ताह स्पष्ट रूप से आग की लपटों में घिरा हुआ है। माना जाता है कि ऐतिहासिक फ्रंट स्ट्रीट का अधिकांश भाग भी क्षतिग्रस्त हो गया है। यह रेस्तरां, बार, दुकानों का घर था। एक अंजीर का पेड़ जिसकी हवाई जड़ें शाखाओं से निकलती हैं और अंततः मिट्टी तक पहुंचती हैं और नए तने बन जाती हैं। यह 60 फीट (18 मीटर) से अध िक तक फैला हुआ था और कई तनों से बंधा हुआ था, जैसा कि पुराने बरगद के पेड़ों के मामले में होता है। यह पेड़ एक पौधा था जब इसे लाहेनालुना हाई स्कूल वह स्थान था जहाँ राजपरिवार और प्रमुखों को शिक्षा दी जाती थी, और जहाँ कामेहामेहा और उनके प्रमुखों की परिषद ने लोगों के अधिकारों की पहली घोषणा और हवाई साम्राज्य के लिए संविधान का मसौदा तैयार किया था। अमेरिका ने 1898 में राज्य पर कब्जा कर लिया।

क्या है भारत के बरगद की कहानी

इसी आग के कारण भारत से ले जाए गया 150 साल पुराने बरगद के पेड़ को नुकसान हुआ है। यह अमेरिका के सबसे बड़े बरगद के पेड़ों में से एक माना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक माउई के लाहिना शहर में यह पेड़ है, जो 46 तनों वाला है। जब यह पेड़ 8 फुट का था तब लाहिना में पहले अमेरिकी प्रोटेस्टेंट मिशनरी की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसे लगाया गया था। 1873 में भारत में मिशनरियों से उपहार के रूप में भेजा गया था। मूल हवाईवासियों के लिए, यह शहर उनके पूर्वजों से एक जुड़ाव है।

एशिया कप के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान, इन दो युवा बल्लेबाजों को मौका

30 अगस्त से एशिया कप का आगाज होने जा रहा है। उससे

पहले बांग्लादेश टीम का ऐलान हो गया है। दरअसल, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को शाकिब अलह हसन की कप्तानी में 17 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। टीम चयन से एक दिन पहले शुक्रवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड प्रमुख नजमुल हसन ने शाकिब अल हसन को आगामी एशिया कप और वर्ल्ड कप दोनों के लिए बांग्लादेशी टीम का कप्तान नियुक्त किया था। वनडे कप्तान तमीम इकबाल के चोट के कारण उन्हें एशिया कप से बाहर होने के बाद शाकिब अल हसन को बांग्लादेश टीम की कप्तानी सौंपी गई है। बांग्लादेश ने दो युवा बल्लेबाजों तंजीद हसन और शमीम हुसैन को पहली बार वनडे टीम में चुना है। शमीम बांग्लादेश के लिए पहले ही 17 टी20 खेल चुके हैं जबकि तंजीद हसन को अभी अपना इंटरनेशनल डेब्यू करना है। तंजीज और शमीम दोनों ही 2020 में खेले गए अंडर–19 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत को हराने वाली बांग्लादेशी टीम का हिस्सा थे। एशिया कप के लिए बांग्लादेश स्क्वॉड: शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, नईम शेख, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हरिदोय, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), मेहदी हसन मिराज, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, मुस्ताफिजुर रहमान, इबादत होसैन, नासुम अहमद, शमीम हुसैन, अफीफ हुसैन, तंजीद हसन तमीम, मेहदी हसन, शरीफुर इस्लाम।

सीरियाई सैनिकों को ले जा रही बस पर घात लगाकर हमला, 20 सैनिकों की मौत

बेरुत। सीरिया के पूर्वी हिस्से में बंदूकधारियों ने सैनिकों को ले जा रही एक बस पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिससे

इस घटना में कम से कम 20 सैनिकों की मौत हो गई तथा कई अन्य जख्मी हो गए। विपक्षी कार्यकर्ताओं ने यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने बृहस्पतिवार रात में हमला किया। 2019 में आतंकी संगठन की शिकस्त के बाद भी उनके 'स्लीपर सेल' सीरिया के विभिन्न इलाकों में घातक हमलों को अंजाम देते रहे हैं। ब्रिटेन स्थित 'सीरियन ऑब्जरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' ने कहा कि इराक सीमा पर स्थित देर अल–जोर प्रांत के मयादीन शहर के पास एक सुनसान सड़क पर किए गए हमले में सीरिया के 23 सैनिकों की मौत हो गई और 10 अन्य जख्मी हो गए। एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि 20 सैनिकों की मौत हुई है, और कई अन्य जख्मी हुए हैं। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने एक सैन्य अध िकारी के हवाले से कहा कि हमला बृहस्पतिवार रात को हुआ था, जिसमें ''कई सैनिक मारे गए हैं और जख्मी हुए हैं।'' उन्होंने इससे ज्यादा कोई जानकारी नहीं दी है। सीरिया की सेना और सरकार ने हमले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। आईएस ने सीरिया और इराक के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था और जून 2014 में संगठन ने वहां 'खलीफा' घोषित कर दिया। इसके बाद 2017 में वह इराक में हार गये और इसके दो साल बाद सीरिया ने भी उन्हें खदेड़ दिया था।

किम जोंग उन ने थामी बंदूक, सेना को दिया जंग की तैयारी का आदेश, टेंशन में आए ये देश!

हाथ में बंदूक लेकर उत्तर कोरिया के सनकी तानाशाह किम जोंग की तस्वीर इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। हथियार फैक्ट्री पहुंचे किम जोंग ने न सिर्फ खुद जंग का ऐलान कर डाला बल्कि छोटे छोटे हथियार बनाने का आदेश भी दिया। ये तो सभी को पता है कि नॉर्थ कोरिया के तानाशाह को हथियारों का जखीरा जमा करने की सनक है। उसके जखीरे में कई विनाशकारी हथियार हैं। उसकी बारूदी खजाने में अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइलें हैं। उसके तरकश में एटम बम जैसा विध्वंसकारी वेपन है। हाइड्रोजन बम की ताकत भी उसने हासिल कर ली है। बावजूद इसके बम और बारूद का जखीरा जमा करने की सनक उसकी बढ़ती जा रही है।

सेना के टॉप जनरल को बदला : किम जोंग उन अपनी सेना के टॉप जनरल को बदलने को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने अपनी आर्मी को वॉर के हिसाब से तैयारियां तेज करने को कहा है। उत्तर कोरिया के सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक किम जोंग ने सेंट्रल मिलिट्री कमीशन की बैठक में ये घोषणा की है। उन्होंने नार्थ कोरिया के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ सु ईल को बर्खास्त कर दिया। उनकी जगह जनरल री योंग को नया चीफ बना दिया। जनरल री योंग ने पहले भी आर्मी चीफ की भूमिका निभाई है। फिर उन्हें 2016 में हटाकर नार्थ कोरिया का रक्षा मंत्री बना दिया गया था। फिलहाल शायद वो दोनों जिम्मेदारियां उठाएंगे।

सेना से हथियार परीक्षण को और तेज करने को कहा

अमेरिका और दक्षिण कोरिया द्वारा बड़े पैमाने पर संयुक्त रूप से सैन्य अभ्यास की तैयारियों के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना को युद्ध रणनीतियों पर तेजी से अमल का आदेश दिया तथा सीमावर्ती इकाइयों के युद्ध अभियानों के विस्तार पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों के अभ्यास को हमले की तैयारी बताते हुए किम ने अपनी सेना से हथियार परीक्षण को और तेज करने को कहा। वर्ष 2022 की शुरुआत से 100 से अधिक मिसाइल का परीक्षण किया गया है जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है।

संयुक्त राष्ट्र ने ल्मउमद में Al Qaeda की ओर से अगवा किए गए पांच कर्मचारियों की रिहाई की जानकारी दी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने यमन में 18 माह पहले आतंकवादी संगठन अलकायदा से जुड़े एक समूह द्वारा अगवा किए गए अपने पांच कर्मचारियों के रिहा किए जाने की जानकारी दी है। यमन में संयुक्त राष्ट्र के मानवीय अभियानों के समन्वयक डेविड ग्रेसली नेबताया कि यमन के चार तथा बांग्लादेश के एक नागरिक को अगवा किया गया था, इन्हें अब रिहा कर दिया गया है और सभी की ''सेहत अच्छी है....लेकिन उन्होंने काफी मुश्किल वक्त गुजारा है।'' संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि इन लोगों की रिहाई के लिए काफी बातचीत की गई और इस प्रक्रिया में ओमान के अधिकारी भी शामिल थे। ग्रेसली ने देश के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन में यमन के चार नागरिकों के साथ लौटने के बाद संयुक्त राष्ट्र के संवाददाताओं से कहा ,'' मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि अगवा करने वालों का संबंध 'अलकायदा इन द अरेबियन पेनेंसुला' से था।'' इस समूह को 'एक्यूएपी' के नाम से भी जाना जाता है और यह दक्षिणी यमन में वर्षों से सक्रिय है। इसे अलकायदा नेटवर्क की सबसे खतरनाक शाखाओं में से एक माना जाता है। इस समूह ने अमेरिका पर भी हमले करने के प्रयास किए हैं। ग्रेसली ने कहा,'' यह यमन के लिए एक खतरा है और यह खतरा बढ़ रहा है।'' तीत में यमन के अधिकारियों ने संवाददाताओं को बताया था कि फरवरी 2022 में संदिग्ध अल–कायदा आतंकवादियों ने दक्षिणी यमन के अबयान प्रांत से संयुक्त राष्ट्र के पांच कर्मचारियों का अपहरण कर लिया था।

हक ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि अकम सुफीउल अनम , माजेन बावजीर, बकील अल–महदी, मोहम्मद अल–मुलाइकी और खालिद मुख्तार शेख को रिहा किया गया है। से सभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा विभाग के लिए काम करते थे।

मेसी के गोल की बदौलत इंटर मियामी सेमीफाइनल में पहुंचा

इंटर मियामी ने लीग्स कप क्वार्टरफाइनल में चार्लोट को

4–0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें लियोनल मेसी ने अपने नये क्लब के लिए 86वें मिनट में गोल दागा। पिछले साल अर्जेटीना को विश्व कप खिताब दिलाने वाले सात बार के 'बैलन डिओर'मेस्सी का यह अपने नये क्लब के लिए पांच मैचों में आठवां गोल था। इस दौरान मेस्सी ने मियामी के अपने सभी पांच मैचों में गोल किये हैं। जोसेफ मार्टिनेज ने 12वें और रोबर्ट टेलर ने 32वें मिनट में गोल किये। क्लब के लिए एडिलस्न मलांडा ने 78वें मिनट में आत्मघाती गोल किया। अब सेमीफाइनल में इंटर मियामी का सामना मेक्सिको के क्लब क्यूरेटारो से होगा जिन्होंने फिलेडेल्फिया यूनियन को 2–1 से हराया।

एसडीएम ने सीज किया गिट्टी और बालू लदा ट्रक

सलेमपुर। एसडीएम सीमा पांडेय ने ओवरलोड चेकिंग अभियान के तहत लार कस्बे में गिट्टी लेकर जा रहे ट्रक को पकड़ा। क्षमता से अधिक गिट्टी लदे होने के चलते लार पुलिस को सुपुर्द कर सीज कर दिया। इसी तरह कोतवाली सलेमपुर के नवलपुर चौराहे के पास एक पेट्रोल पंप पर बालू लदे दो ट्रक की जांच की। जांच में ओवरलोड की आशंका पर दोनों ट्रक को कोतवाली पुलिस को सुपुर्द कर दी। इस मामले में एसडीएम सीमा पांडेय ने बताया कि ओवर लोड वाहन कतई नहीं चलेंगे। अभियान के तहत इन पर कार्रवाई की जाएगी।

अमृत कलश का पूजन कर शहीदों को किया नमन

देवरिया। तरकुलवा विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय नरायनपुर के नन्हें–मुन्ने छात्रों ने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित मेरी माटी–मेरा देश कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए अमृत कलश का पूजन कर आजादी के अमर शहीदों को नमन किया। स्कूली छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति गीतों के धुन के बीच पंक्तिबद्ध होकर अमृत कलश का पूजन किया। यह नजारा देखकर आसपास के लोग मंत्रमुग्ध हो गए। प्रधानाध्यापक अवधेश सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम से बच्चों में राष्ट्र भक्ति की भावना का विकास होता है। साथ ही ग्रामीण जनता को आजादी के अमर सपूतों को नमन करने का अवसर प्राप्त होता है। शिक्षक मणि मिश्र ने बताया कि बच्चों ने हर घर तिरंगा लगाने का संकल्प लिया और आसपास के लोगों को आजादी के महत्व के प्रति जागरूक किया।

17 लाख रुपये लेकर निजी बैंक के दो कर्मचारी फरार, केस दर्ज

देवरिया। भारतीय फाइनेंशियल इनक्यूजन लिमिटेड (इंडसइंड बैंक) के दो कर्मचारियों ने समूह से रुपये वसूल लिया। इसके बाद दोनों करीब 17 लाख रुपये लेकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बैंक के ब्रांच मैनेजर ऋषिकेश कुमार ने तहरीर देकर बताया है कि संस्था के कर्मचारी गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के हरपुर लुहसी निवासी योगेश कुमार और जिले के कोन्हवलिया बाबू राय निवासी आदर्श ने महिलाओं को केवाईसी कर लोन दे दिया था। इसमें से सभी से साप्ताहिक ऋण वसूली कर संग्रह करने को कहा गया था। आदर्श कुमार ने ग्राहकों से 8.83 लाख व दूसरे कर्मचारी योगेश ने 8.86 लाख रुपये वसूल लिया। इन दोनों कर्मचारियों ने बैंक में रुपये न जमा कर हड़प लिए। वह मांगने पर धमकी दे रहे हैं। गौरीबाजार एसओ राजू सिंह ने बताया कि बैंक मैनेजर की तहरीर पर दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

युवती के अपहरण में दो पर केस, एक गिरफ्तार

सलेमपुर। एक युवती को घर से जबरन उठा ले जाने व विरोध करने पर धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह कार्रवाई पुलिस ने युवती के दादा की तहरीर पर की है। वहीं, पुलिस ने आरोपी एक युवक को गिरफ्तार भी कर लिया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति मोरवा–हिछौरा रोड पर एक गांव में मकान बनवाकर रहते हैं। कोतवाली पुलिस को तहरीर दी कि एक गांव निवासी दो लोग .उनकी नतिनी को जबरन घर से भगा ले गए, जब परिजनों ने विरोध जताया तो धमकी दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाल गोपाल पांडेय ने बताया कि युवती के दादा की तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही युवती की तलाश की जा रही है।

भूतपूर्व सैनिकों को किया गया सम्मानित

महराजगंज। हरदीडाली कंपोजिट विद्यालय में अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत मेरा माटी मेरा देश के अंतर्गत एसएसबी ने भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। एसएसबी के इंस्पेक्टर रघुनाथ प्रसाद ने कहा कि अपने देश के प्रति प्रेम रखना चाहिए। भूतपूर्व सैनिक नर बहादुर राना ने कहा कि जब देश का प्रत्येक नागरिक अपने देश के प्रति वफादार नहीं होगा तब देश तरक्की के मार्ग पर अग्रसर नहीं होगा। इस मौके पर भूतपूर्व सैनिक तुल बहादुर थापा, नर बहादुर राना, प्रधानाध्यापक विनोद कुमार गौतम, ग्राम प्रधान गोपाल नारायण चौधरी , प्रेमलता जायसवाल, मुकेश कुमार चौधरी आदि मौजूद रहे।

साहित्यिक पत्रिका नया परिमल का दुबई में हुआ विमोचन

महराजगंज। पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय साहित्य महोत्सव का आयोजन 8 अगस्त से 12 अगस्त तक दुबई में हो रहा है। इसमें जवाहरलाल नेहरू पीजी कॉलेज महराजगंज के डॉ विपिन यादव भी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रवासी हिंदी साहित्य विषय पर डॉ. विपिन यादव ने अपना शोध पत्र भी प्रस्तुत किया। साहित्यिक पत्रिका नया परिमल का दुबई में विमोचन हुआ। डॉ. विपिन यादव, प्रबंधक डॉ. बलराम भट्ट, प्राचार्य डॉ. अजय कुमार मिश्रा, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर दिग्विजय नाथ पांडेय, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर उमेश प्रसाद यादव ने खुशी जाहिर की।

ई कवच पर लॉग-इन नहीं होने पर नाराजगी

महराजगंज। फरेंदा ब्लॉक के महुई गांव में विशेष टीकाकरण सत्र का निरीक्षण करने जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. केपी सिह पहुंचे। ड्यू लिस्ट अपडेट नहीं होने पर एएनएम रोशन जहां को फटकार लगाई। ई–कवच पर भी लॉग–इन नहीं किया गया था, इसके लिए नाराजगी ब्यक्त की। अधीक्षक को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया

महराजगंज। अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह ने सर्किल निचलौल के समस्त विवेचकों के साथ अर्दली रूम कर लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लंबित विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण करें। विवेचना के दौरान अपराध की प्रकृति के अनुरूप सभी तथ्यों, साक्ष्यों एवं महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करें। छह माह से अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया।

लाल निशान की तरफ तेजी से बढ़ रही गोर्रा और राप्ती

एकौना। पहाड़ी इलाकों में बारिश से उफनाई गोर्रा और राप्ती नदी तेजी से लाल निशान की तरफ बढ़ रही है। गोर्रा नदी खतरे के निशान 70.50 से नीचे 69 मीटर और राप्ती 68.60 मीटर पर बह रही थी। नदियों का जर्जर बंधों पर दबाव देख तटवर्ती गांव के लोग सहमे हैं। नदियों के जलस्तर के वेग और बारिश को देखते हुए सिंचाई विभाग ने बंधों पर निगरानी बढ़ा दी। पचलड़ी से ईश्वरपुरा बांध पर कई जगहों पर गोर्रा नदी बंधे पर सीधे ठोकर मार रही है। ईश्वरपुरा गांव के पास बोल्डर पिचिंग से नदी सट कर रही बह रही है। लाल निशान पर पहुंचने पर नदी बंधे के ऊपर से बहने लगेगी। पिड़रा–भुसवल बांध पर पिड़री गांव के पास गोर्रा नदी के रौद्र रूप को बढ़ता देख ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। यहां बचाव को लगे बोल्डर साल दर साल नदी में गिरते जा रहे हैं। नदी गांव पर सीधे ठोकर मार रही है। तिघरा–मराछी बांध पर पुराने बांध को काट कर राप्ती नदी नए बांध के करीब पहुंच गई। हड़हा और नीबा के पास संवेदनशील स्थान पर कटान तेज होने पर विभाग बंधों की मरम्मत कराने में जुटा है। पिछले साल बोल्डर पिचिंग ढहने के बाद भेड़ी गांव के पास कटान स्थल पर निरोधात्मक कार्य नहीं होने से खतरा बना है। ग्रामीणों ने कहा कि जर्जर बंधे नदी के वेग को रोकने में नाकाफी है। चूहों की मांद से बांध क्षतिग्रस्त हो चुका है। जलस्तर बढ़ने पर चूहों की मांद से होकर पानी गांव में घुस जाएगा। बीते साल नीबा गांव के करीब बंधे में रिसाव होने से बाढ़ की आशंका बढ़ गई थी। गांव वालों ने बंधों को दुरुस्त कराने की मांग की। एसडीएम विपिन द्विवेदी ने कहा कि सिंचाई विभाग को बंधों पर लगातार निगरानी करने रहने का निर्देश दिया गया है। दोनों नदियां लाल निशान के नीचे बह रही हैं।

भाकियू ने निकाला तिरंगा मार्च, 100 ट्रैक्टर पर चढ़कर आए किसान

देवरिया। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने जिला मुख्यालय पर तिरंगा मार्च के जरिए दम दिखाया। सौ से अधिक की संख्या में ट्रैक्टर के साथ आए किसानों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद की। जय जवान, जय किसान के नारों के साथ भाकियू का काफिला बारीपुर मंदिर से सोनूघाट होते हुए शहर के सुभाष चौक पहुंचा। यहां किसानों ने पंचायत लगाई। मौके पर पहुंचे एसडीए को 13 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली और एमएसपी के लिए गारंटी मांगी। प्रदेश महासचिव पंडित सतीश चंद्र ओझा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों से वादा किया था तीन एचपी मोटर पर किसानों को कृषि सिंचाई के लिए मुफ्त में बिजली दी जाएगी। आज भी किसानों से पैसे लिए जा रहे हैं। सैकड़ों किसानों ने कनेक्शन के लिए कैंप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कराया है लेकिन आज तक उनको कनेक्शन नहीं दिया गया। जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण उर्फ बड़े शाही ने कहा कि भाकियू कई वर्षों से एमएसपी पर कानून बनाने की मांग करता आ रहा है। इस मामले में सरकार शिथिलता बरत रही है। उन्होंने हाटा रजवाहा, देवरिया रजवाहा, गौर राजवाहा, उदयपुर, बैकुंठपुर, माइनर समेत विभिन्न नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने, सम्मान निधि से वंचित किसानों को लाभांवित करने, निजी नलकूपों पर मीटर लगवाने की प्रक्रिया स्थगित करने, गन्ना मूल्य बढ़ाने, बकाया भुगतान शीघ्र कराने समेत 13 मांगो को पूरा कराने की मांग की। ट्रैक्टर तिरंगा मार्च को देखते हुए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद थी। भलुअनी थाना , कोतवाली देवरिया , क्षेत्राधिकारी नगर मय फोर्स जमे रहे। इस दौरान किसान नेता विनय सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह, जैनुल अंसारी, सतीश ओझा, मुन्ना सिंह, चंद्रदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

विधान परिषद में उठा भागड़ा पुल निर्माण में देरी का मामला

एकौना। भागड़ा नाला पर पुल के निर्माण में देरी का मामला विधान परिषद में उठा। एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने निर्माणाधीन पुल की धीमी प्रगति पर बोलते हुए दोआबा के लोगों की समस्या से सदन को अवगत कराया। उन्होंने प्रदेश सरकार से कार्यदायी संस्था के माध्यम से जल्द पुल का निर्माण कार्य पूरा करने की मांग की। यहां पुल का निर्माण कार्य धीमी गति से होने के कारण दोआबा के लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। रुद्रपुर–करहकोल मार्ग पर पचलड़ी चौराहे के पास भागड़ा नाला और नरायनपुर के निकट कटारी नाला का पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण करीब दस माह से निर्माण कार्य प्रारंभ है। पुल का निर्माण कार्य मानसून आने के पहले पूरा करने का निर्देश दिया गया था, बावजूद इसके कार्य पूरा नहीं हो पाया। एक माह पहले मानसूनी बारिश शुरु होने पर निर्माणाधीन पुल के बगल से आवागमन पूरी तरह से बंद हो गया था। डीएम के निर्देश के बाद वैकल्पिक रास्ते से आवाजाही शुरू हुई। दोआबा के रतनपुर गांव के मूल निवासी विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने विधान परिषद में कार्यवाही के दौरान पुल के निर्माण में देरी का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण में देरी के कारण दोआबा के लोगों का रास्ता प्रभावित हो रहा है। मार्ग से गोरखपुर, आजमगढ़, मऊ, बनारस आदि जिलों में लोग जाते हैं। व्यापारियों के सामानों का वाहन भी इसी मार्ग से होकर जाता है। ऐसे में पुल का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करना जरूरी है।

अंशदान नहीं जमा हुआ तो डीआईओएस कार्यालय का होगा घेराव

महराजगंज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट ने शिक्षकों की समस्याओं के विरोध में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना दिया एवं मांगों से संबंधित ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा। साथ ही चेतावनी दी गई कि नई अंशदान योजना के नाम पर शिक्षकों के वेतन से कटौती संबंधी अंशदान जमा नहीं हुआ तो माध्यमिक शिक्षकों के साथ जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का घेराव किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पांडेय ठकुराई ने कहा कि नई अंशदान योजना के नाम पर शिक्षकों के वेतन से कटौती तो कर ली जा रही है, लेकिन उसे जमा नहीं किया जा रहा है। विधानसभा में पारित उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा अधिनियम शिक्षा एवं शिक्षक विरोधी है। चयन बोर्ड अधिनियम 1982 की धारा 21 के निकालकर शिक्षकों की सबसे बड़ी सेवा व सुरक्षा को समाप्त कर दिया गया है। प्रधानाचार्य के पद पर तदर्थ पदोन्नति की व्यवस्था को समाप्त करते हुए प्रधानाचार्यों की मुश्किल को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. जयप्रकाश नायक ने कहा कि सरकार की ओर से पूरी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने का इंतजाम कर लिया गया है। जिलाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षकों के हितों के लिए संगठन की लड़ाई जारी रहेगी। ज्ञापन देने के दौरान कृष्ण कुमार पांडेय, नंदलाल यादव, अरुण सिंह, चंद्रप्रकाश गुप्त, बृजमोहन पासवान, पवन गोंड, शैलेंद्र पाठक, हरिश्चंद्र यादव, प्रदीप पांडेय, शैलेष गौतम, अरमान अंसारी, चंद्रपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

टूरिस्ट बस से 52 लाख 75 हजार के नकली नोट बरामद 9 गिरफ्तार

महराजगंज। नेपाल पुलिस ने नकली नेपाली रुपये बरामद किया है। पुलिस ने दो अलग–अलग घटनाओं में काठमांडो के नागाढुंगा और न्यू बस पार्क भक्तपुर से 52 लाख 75 हजार के नकली नोट के साथ 9 लोगों को भी गिरफ्तार किया है। सभी को नकली नोट के कारोबार में शामिल होने के संदेह पर उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने नागाढुंगा में जांच के दौरान भैरहवा से काठमांड़ो आ रही टूरिस्ट बस से 35 लाख 73 हजार रुपये जब्त किए। जांच के दौरान बस की डिकी में रखे नूडल्स के कार्टून में 1,000 रुपये के 3,573 नकली नोट मिले। पूछताछ के दौरान बस चालक व सह चालक ने पुलिस को बताया कि कार्टून अचार के तौर पर लुंबिनी बस पार्क से भेजा गया था। तलाशी के दौरान भक्तपुर के चांगुनारायण नगर पालिका–4 के गोंगबू बस पार्क और चांगु बुधाथोकी गांव से अतिरिक्त 17 लाख दो हजार रुपये बरामद किए गए। वरिष्ठ पुलिस डीएसपी दान बहादुर कार्की ने बताया कि भैरहवा से काठमांडो जा रहे एक पर्यटक बस से जांच के दौरान 35 लाख रुपये से अधिक के नकली नेपाली नोट बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। काठमांडो स्थित एक मकान में छापा डाल कर करीब 18 लाख नकली नेपाली मुद्रा बरामद कर गिरोह के सदस्य अर्जुन सुबेदी को गिरफ्तार किया गया मौके से एक कलर प्रिंटर, एक कंप्यूटर, 12 मोबाइल फोन और चार स्कूटर भी बरामद किया गया है। पुलिस टीम ने रुपये के साथ 9 लोगों को भी गिरफ्तार किया है। सभी को नकली नोट के कारोबार में शामिल होने के संदेह पर उनसे पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सिंधुपालचौक के सुशील कार्की, शिव भंडारी, मिलन भंडारी, कृष्णा भंडारी, झापा के युवराज राय, अछाम के अर्जुन बूढ़ा, गुल्मी के सागर आचार्य और नवलपरासी की पार्वती नेपाली हैं। नेपाल पुलिस के सूत्रों के हवाले के अनुसार लुंबिनी से इतनी मात्रा मे नकली नोटों को काठमांडो भेजना को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

ट्रैक्टर के साथ धरना प्रदर्शन पर जा रहे किसानों को प्रशासन ने रोका

महराजगंज। दर्जनों ट्रैक्टर के साथ जिला मुख्यालय पर धरना देने जा रहे किसानों को पुलिस प्रशासन ने समरधीरा के पास रोक दिया। तहसीलदार नौतनवां वहां आकर किसानों से मांगपत्र लिए। इसके बाद किसाना लौट गए। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष सुरेश चंद साहनी दर्जनों ट्रैक्टर और सैकड़ों किसानों के साथ किसानों की समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय महराजगंज धरना देने जा रहे थे। उनका काफिला जैसे ही समरधीरा पहुंचा तहसीलदार नौतनवां विवेक श्रीवास्तव ने उनको रोक लिया। किसानों का मांगपत्र लेकर प्रशासन के उच्चाधिकारियों तक पहुंचने का आश्वासन दिया। मांग पत्र में सुरेश चंद्र साहनी ने कहा कि किसानों को सिचाई के लिए मुफ्त बिजली की व्यवस्था किया जाए। गल्ले के क्रय केन्द्रों को मौके पर स्थापित करके किसानों के गल्ले को उचित मूल्य पर खरीदा जाए, गन्ना मिलों पर किसानों का बकाया धनराशि को अविलंब भुगतान करवाया जाए। किसानों के फसलों की सुरक्षा एवं वन की सुरक्षा के लिए जंगलों के किनारे–किनारे खाई खोद कर तारबाड़ की व्यवस्था किया जाय। इस मौके पर जगरान, जगराम चौधरी, जनार्दन मिश्रा, रामअशीष, वकील खान, रामहित, श्रीराम साहनी आदि मौजूद रहे।

26 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों का वेतन रोका

महराजगंज। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को निपुणता संबंधित अपेक्षाकृत सुधार न होने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 26 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों के वेतन को रोक दिया है। निपुणता की वास्तविकता जानने के लिए डीएलएड प्रशिक्षुओं से उसका आकलन कराया गया था। छह ब्लॉकों से प्राप्त हुई रिपोर्ट में शून्य प्रगति पाए जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने यह कार्रवाई की है। निपुणता की जांच में जिन विद्यालयों की प्रगति शून्य मिली है उनमें बृजमनगंज ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय अहिरौली, राजमंदिर कला, परसौना, बभनी खुर्द व जिगिनहा व घुघली ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय महुअवा टोला, सिरसिया, यादव टोला, रघुबर छपरा, लक्ष्मीपुर देउरवां टोला नौनी, भगरा टीला एवं कंपोजिट विद्यालय अहिरौली का नाम है। इसी प्रकार लक्ष्मीपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय परंदरपुर व बैरवा जंगल, सदर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय बरगदवा, कंपोजिट विद्याल केवलापुर खुर्द व सिसवा राजा की भी प्रगति शून्य है। निचलौल ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय ढेंसो, प्राथमिक विद्यालय रामनगर ढेंसो व कनमसिवा एवं नौतनवां ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय सोनपिपरी, निपनिया व चमैनिया के साथ ही प्राथमिक विद्यालय डगरपुरा, बरवां खुर्द व गोपालपुर में भी शून्य प्रगति पर वेतन रोकने की कार्रवाई हुई है। उपरोक्त सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों व शिक्षकों के अगस्त माह के वेतन को रोक दिया गया है।

चाफ नहर पर पुलिया बनवाने की मांग

कुशीनगर। जनपद के तमकुही विकास खंड के ग्राम पंचायत पगरा प्रसाद गिरी में चाफ नहर शाखा पर पुलिया न होने से ग्रामीणों को कृषि कार्य में परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मनोज सिंह को मौके पर बुलाकर पुलिया निर्माण हेतु पहल करने की मांग की है। उक्त गांव के ग्रामीणों का कहना है कि नहर व झरही के बीच में मौजूद किसानों को अपनी जमीन में खेती करने के लिए परेशानी उठानी पड़ती है। पुलिया न होने के कारण डेढ़ किमी दक्षिण पगरा पड़री या एक किमी उत्तर खुदरा अहिरौली का फेरा लगाना पड़ता है। सुरेंद्र गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, आशुतोष तिवारी, उपेंद्र प्रजापति, विसराज पाल आदि ग्रामीणों ने यहां पुलिया बनवाए जाने की मांग की। जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

छात्र, छात्राओं ने निकाला तिरंगा यात्रा

कुशीनगर। जनपद के फाजिलनगर विकास खंड के जितेंद्र स्मारक इण्टर कालेज नारायनपुर कोठी में शनिवार को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत मेरी मिट्टी मेरा देश अभियान में कालेज के छात्र छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकाल कर लोगों को देश प्रेम का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा को झण्डी दिखाकर कर रवाना करते हुए विद्यालय के प्रबंधक व पूर्व विधायक गंगा सिंह कुशवाहा नें कहा कि यह आयोजन राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के लिए किया जा रहा है ।इसका यह भी उद्देश्य है कि लोग अपनी भूमि और धरोहर के महत्व को समझें। यात्रा देश के प्रति समपर्ण व राष्ट्र भक्ति को प्रेरित करता है। ऐसे यात्राओं से लोगों में देश भक्ति का जज्बा भरता है ।छात्रों को संबोधित करते हुए स्वामी दिव्य सागर जी महाराज नें कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कितने मुश्किलों से आजादी प्राप्त हुई है ।उन्होंनें कहा कि देश की सुरक्षा और आजादी को बरकरार रखनें के लिए प्रत्येक युवा को शारीरिक,बौद्धिक रुप से मजबूत होना होगा ।प्रधानाचार्य रामाश्रय प्रसाद नें अतिथियों को अंग्बस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और आभार जताया ।संचालन शिक्षक राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा नें किया ।छात्रा कुमारी अर्चना गौड़ नें सरस्वती वंदना तथा कुमारी नैना सिंह नें स्वागत गी त प्रस्तुत किया। विद्यालय से शुरू हुआ यह तिरंगा यात्रा नारायनपुर पश्चिम,चरया माई स्थान के समीप से होते हुए,नारायनपुर प्राथमिक पाठशाला होते हुए पुनः विद्यालय में पहुच कर समाप्त हुआ। यात्रा के दौरान छात्र छात्राएं तिरंगा झण्डा हाथों में लिए हुए देश भक्ति के नारे लगाते हुए लोगों में देशभक्ति का जोश भरते रहे। इस दौरान शिक्षक दिलीप कुमार सिंह, बृजेंद्र बहादुर यादव, अजय नाथ तिवारी, प्रेम तिवारी, विनोद कुमार शर्मा ,मोहनलाल गुप्त, प्रवीण कुमार, श्रवण सिंह, राजेश कुमार मौर्य, रामायण प्रसाद सिंह, महर्षि वाल्मीकि सरस्वती मंदिर के प्रधानाचार्य हरिकेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त न्याय पंचायत है बनाना: डॉ. आशुतोष

कुशीनगर। जनपद के हाटा विकास खंड के ग्राम पंचायत बरवा छत्तरदास में टी.बी.जागरूकता समुदाय बैठक आयोजित कर ग्रामीण महिलाओं एवं पुरुषों टी.बी. रोग के प्रति जागरूक किया गया। समुदाय बैठक ग्राम प्रधान मेहताब आलम की अध्यक्षता में हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए टी.बी.यूनिट हाटा के वरिष्ठ क्षय रोग प्रयोगशाला पर्यवेक्षक डॉ.आशुतोष मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री टी.बी.मुक्त भारत अभियान के तहत आप सभी के सहयोग से टी.बी. मुक्त न्याय पंचायत बनाना है जिसके लिए ग्रामीण अंचल में रहने वाले अधिक से अधिक व्यक्तियों की जांच करनी है। डॉ. मिश्र ने कहा कि जाँच एवं उपचार निःशुल्क है,साथ ही उपचार ले रहे टी.बी. रोगियों को प्रतिमाह पाँच सौ रुपये पोषण भत्ता भी दिया जाता है तथा मरीजों की सहमति लेकर समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के सहयोग से उन्हें पोषण की पोटली भी दिया जाता है। सीएचओ रंजीता सिंह ने कहा कि जिन व्यक्तियों को दो सप्ताह से अधिक की खाँसी,खाँसी के साथ बलगम,रात में पसीना होना, भूख न लगना,वजन कम होना ऐसे लक्षण दिखे तो उन्हे तत्काल सरकारी अस्पताल भेजें। जिनकी जाँच एवं उपचार समय से हो सके ।उन्होंने कहा कि टीबी रोगी यदि समय से उपचार नहीं लेता है तो वह एक वर्ष में 10 से 15 व्यक्तियों को टीबी रोगी बना सकता है। इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गयी जिसमें सम्भावित पांच व्यक्तियों के बलगम के नमूने जांच हेतु एकत्रित किया गया। ग्राम प्रधान द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को टी.बी.मुक्त न्याय पंचायत करने के लिये शपथ भी दिलाया गया। इस दौरान एएनएम दीपिका मौर्या,संगिनी किरन कुशवाहा,आशा पार्वती देवी, पूनम देवी,शीला देवी, कुसुमावती देवी,पूनम सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकत्री अनीता देवी एवं गुलाम,आकाश, रामसेवक, सन्तोष, अभिषेक, शहद अंसारी, गीता, ज्योति, दुर्गावती, रीता, पार्वती, कविता, अफसाना, माधुरी ,प्रियंका शर्मा सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'नशा मुक्त प्रदेश, सशक्त प्रदेश' अभियान का शुभारम्भ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को रचनात्मक कार्यक्रमों से जोड़ने का अभियान चल रहा है। प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए अलग–अलग स्तर पर अनेक प्रयास प्रारम्भ किए गए हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री आज अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यहां 'नशा मुक्त प्रदेश, सशक्त प्रदेश' अभियान का शुभारम्भ करने के बाद इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित युवाओं को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलायी। उन्हांने 'नशा मुक्त प्रदेश, सशक्त प्रदेश' के लिए हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर देश की सबसे बड़ी आबादी के राज्य के युवाओं को 'नशा मुक्त प्रदेश, सशक्त प्रदेश' के संकल्प के साथ जुड़ने के लिए आगे आना होगा। संयुक्त राष्ट्र की आमसभा द्वारा 17 दिसंबर 1999 को 12 अगस्त की तिथि अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मान्य की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस तिथि को मान्यता मिलने के पश्चात दुनिया भर के युवा यूनिसेफ के साथ मिलकर प्रतिवर्ष एक नई थीम के साथ इस अभियान का हिस्सा बनते हैं। अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस–2023 की थीम 'ग्रीन स्किल्स फॉर यूथः टुवर्ड्स अ सस्टेनबल वर्ल्ड' है।यूनिसेफ प्रदेश में अनेक कार्यक्रमों के साथ जुड़ा हुआ है। कई बीमारियां वर्षों से हमारे युवाओं और बच्चों को निगल जाती थी। यूनिसेफ और पाथ जैसी संस्थाओं ने केन्द्र और राज्य सरकार के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य किया परिणामस्वरूप राज्य से इंसेफेलाइटिस बीमारी पूरी तरह समाप्त हो चुकी है। वर्ष 2017 से पूर्व इस बीमारी से हजारों बच्चों की असमय मृत्यु हो जाती थी, अब इस समस्या का समाधान किया जा चुका है। इंसेफलाइटिस बीमारी के विरुद्ध सरकार का यह कार्यक्रम यदि सफलता प्राप्त कर सकता है, तो मनुष्य स्वयं की आदतों के कारण जो बीमारी पैदा करता है, उसका समाधान क्यों नहीं हो सकता।मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर ने स्वयं अपनी आपबीती सुनाई कि कैसे उनका पुत्र दोस्तों के चंगुल में फंसकर नशे का आदी बना और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। जिस आयु में युवा को समाज और देश के भविष्य के बारे में चिंतन करते हुए नए सपनों को बुनना और उसके अनुसार पुरुषार्थ करना चाहिए यदि उस आयु में वह नशे का आदी हो जाएगा, तो वह समाज में क्या योगदान दे पाएगा। नशा अन्दर ही अन्दर व्यक्ति को खोखला कर देता है। व्यक्ति किसी लायक नहीं रहता।नशा नाश और जवानी को समाप्त करने का कारण है। इससे दूर रहकर स्वस्थ चिंतन को बढ़ावा देना चाहिए। बहुत सारे लोग खैनी खाते हैं। खैनी का दातों पर बहुत बुरा असर पड़ता है। जो पदार्थ दांतों का रंग बदलकर उनको नष्ट कर देता है, उसका फेफड़े ,खाने की नली और अमाशय पर क्या असर पड़ता होगा आप सहज अनुमान लगा सकते हैं। हम नशे से जितना दूर रहेंगे हमारी क्वालिटी आप लाइफ उतनी ही बेहतर होगी। इसलिए हम सभी को इस अभियान से जुड़ना होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में सर्वाधिक युवा भारत में हैं। एक मान्यता के अनुसार युवाओं की 60 से 65 करोड़ जनसंख्या भारत में निवास करती है। 15 वर्ष से 55 वर्ष तक आयु की जनसंख्या को युवा की श्रेणी में रखा जाता है। उत्तर प्रदेश में लगभग 9 करोड़ युवा आबादी है। इन 9 करोड़ युवाओं के सपने को एक नई उड़ान देनी है। इनके सपनों का प्रदेश बनाना है तो उन्हें इस अभियान से जोड़ना ही होगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश का युवा कल्याण विभाग यूनिसेफ के साथ मिलकर व्यापक जन जागरूकता का कार्यक्रम चल रहा है।युवाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए उनका स्किल डेवलपमेंट किया जा रहा है, ताकि प्रदेश और देश आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। प्रदेश के छात्र–छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जा रही है। अनुसूचित जाति–अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए कोचिंग की विशेष व्यवस्था भी की गई है। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को टैबलेट स्मार्टफोन के जरिए ऑनलाइन शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं में खेलकूद के प्रति रचनात्मक भावना पैदा करने के लिए प्रत्येक गांव में खेल का मैदान, ब्लॉक स्तर पर एक मिनी स्टेडियम, प्रत्येक जनपद में एक स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में ओलम्पिक गेम्स में पदक विजेता खिलाड़ियों को एकल वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर 06 करोड़ रुपये, रजत पदक पर 04 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक पर 02 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। टीम गेम्स में स्वर्ण पदक पर 03 करोड़ रुपये, रजत पदक पर 02 करोड़ रुपये तथा कांस्य पदक प्राप्त करने पर 01 करोड़ रुपये पुरस्कार स्वरूप दिये जाने की व्यवस्था है।डबल इंजन की सरकार खिलाड़ियों को जो मंच उपलब्ध करा रही है, उस मंच का बेहतर उपयोग कर रचनात्मकता के साथ ऊर्जा का उपयोग करते हुए यदि कार्य करेंगे तो आपका भविष्य उज्ज्वल होगा। इसी उज्ज्वल भविष्य को बनाए रखने के लिए अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नशा मुक्त प्रदेश सशक्त प्रदेश के अभियान के साथ हम सब जुड़े हैं।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्टेडियम में उपस्थित युवा शक्ति को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलाते हुए कहा कि 'हम आज नशा मुक्त प्रदेश अभियान के अन्तर्गत एकजुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल स्वयं को बल्कि समुदाय, परिवार,मित्र को भी नशा मुक्त कराएंगे। हम अपने प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास करेंगे'।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नशा मुक्ति हेतु हस्ताक्षर अभियान में अपने हस्ताक्षर किए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आवास एवं शहरी मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए अपने आसपास के लोगों और दोस्तों से सतर्क रहना चाहिए। एक बार नशे की आदत लगने के बाद नशे की लत में बच्चे और युवा निरंतर इस जाल में फंसते चले जाते हैं। कोई कितना भी खास दोस्त या रिश्तेदार हो यदि नशे के लिए आप पर दबाव डालता है तो आप समझ जाइए कि वह आपको नशे के जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए कहा कि उनके लड़के ने नशे की आदत में पड़कर अपनी जान गवां दी। नशे की लत पड़ने के बाद जब एक सांसद और विधायक का पुत्र नहीं बचाया जा सका तो आम नागरिक का क्या होगा। इसलिए युवाओं को नशे की लत से हमेशा दूर रहना चाहिए।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज से 24 वर्ष पूर्व संयुक्त राष्ट्र ने निर्णय लिया था कि प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाएगा। दुनिया में युवाओं की सर्वाधिक आबादी भारत में है, देश में सर्वाधिक उत्तर प्रदेश में है। इसलिए प्रदेश की भूमिका देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में अन्तरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नशा मुक्त बनाने के लिए युवाओं को शपथ दिलाने का कार्य किया गया है। यह अत्यन्त प्रशंसनीय कार्य है।देश तेजी के साथ विकास की ओर अग्रसर है इसमें युवाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनामी की तरफ बढ़ रहा है। प्रदेश के युवा 'एक जिला एक उत्पाद' योजना, कौशल विकास योजना से निरंतर जुड़ रहे हैं, और प्रदेश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। आज हम सबको मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रण लेना होगा कि हमें अपने प्रदेश और देश को नशा मुक्त बनाना है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। आज मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान से प्रदेश नशा मुक्त बनेगा। लाखों परिवारों को नशे से निजात मिलेगी। नशे के कारण होने वाली अनेक बीमारियों से भी मुक्ति मिलेगी।इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, यूनिसेफ के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस श्री जकरी एडम, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना संजय प्रसाद, सचिव खेल और युवा कल्याण सुहास एल0वाई0, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, युवा व महिला मंगल दल के सदस्य व छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

कास्मेटिक क्रीम नहीं अब लेजर मशीन बनाएगी आपको खूबसूरत

पीजीआई के स्टार स्किन एंड हेयर सेंटर पर लेजर थैरेपी विधि से चेहरे को बनाया जायेगा सुंदर,अनचाहे दाग,धब्बे होगे दूर,टैटू भी होगा रीमूव

लखनऊ। खूबसूरती सभी को अपनी आकर्षित करती है। इसके लिए लोग अनेक जतन करते हैं इसके बाद भी निराशा हाथ लगती है। इसके लिए लोग कास्मेटिक्स क्रीमों का सहारा लेते हैं, लेकिन अब पीजीआई के स्टार स्किन एंड हेयर सेंटर में लेजर थैरेपी से इसका इलाज होगा।लेजर थेरेपी एक कॉमन ट्रीटमेंट है। इसके जरिये त्वचा के दाग–धब्बों को मिटाने,टैटू हटाने,शरीर के अनचाहे बालों को हटाने व मुंहासों के बाद चेहरे पर पड़े गड्ढों को भरा जाता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट राखी मिश्रा ने बताया कि युवा पीढ़ी स्किन के दाग–धब्बों, मुंहासे व चोट के निशानों के प्रति काफी जागरूक है।उनके प्रतिष्ठान स्टार स्किन एंड हेयर सेंटर पर लेजर विधि से ट्रीटमेंट की सुविधा उपलब्ध है,डिस्काउंट पर लेजर थैरेपी की जायेगी।उन्होने बताया लेजर ट्रीटमेंट में लाइट की तेज किरण ट्रीटमेंट किए जाने वाले हिस्से पर डाली जाती है। यह स्किन के ऊपर या अंदर वाली सतह तक जाकर, अनचाहे हिस्से की दिक्कतो को खत्म कर देती है। इससे जन्म के समय से ही होने वाले दाग, टांकों के निशान और झाईं आदि खत्म हो जाते है।लेजर फेशियल में स्किन के ऊपर की सतह को लेजर के जरिए बर्न कर दिया जाता है, जिससे नई सतह दिखे।लेजर विधि से टैटू रिमूव,हालीवुड फेशियल,कार्बध्न पील,बर्थ मार्क रीमूव,ब्लैक अंडर आर्म्स ट्रीटमेंट,मोल कलर रीमूवल समेत अन्य कई ट्रीटमेंट किये जायेगे।

उत्तर प्रदेश में अन्याय, अत्याचार, महंगाई, भ्रष्टाचार चरम परः अखिलेश यादव

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में अन्याय, अत्याचार, महंगाई, भ्रष्टाचार चरम पर है। समाज का हर वर्ग इससे त्रस्त है। लोकसभा चुनाव 2024 में डबल इंजन की दोनों सरकारें जाएंगी। भाजपा सरकार प्रदेश में 80 की 80 सीटें हारेगी। जनता का भरोसा समाजवादी पार्टी पर है।

समाजवादी पार्टी के पास जनता की ताकत है।अखिलेश यादव आज लखनऊ के प्रदेश मुख्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक में सम्बोधित करते हुए कहा कि दरवाजे–दरवाजे दस्तक देने के लिए अभी से जुट जाएं। जमीनी स्तर पर लोकसभा चुनाव की तैयारियों में कोई कोर कसर नहीं रखें। कार्यकर्ता बिना अति उत्साह, अति आत्मविश्वास के काम करे। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सलीम शेरवानी, धर्मेन्द्र यादव बदायूं के पूर्व सांसद आदि नेता उपस्थित रहे।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार बुलडोजर से उत्तर प्रदेश में अराजकता फैला रही है।

भाजपा साजिश और षडयंत्र करके समाजवादी पार्टी के नेतृत्व को बदनाम करने की कोशिश करती है। भाजपा रणनीति बनाकर निर्दोष लोगों को फर्जी केसों में फंसाकर उन्हें परेशान कर रही है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार पुलिस हिरासत में सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में हो रही हैं।श्री यादव ने कहा कि भाजपा सत्ता का दुरूपयोग करके संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। भाजपा अनैतिक राजनीति कर चुनाव को प्रभावित करती है। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को भाजपा वोटबैंक की तरह इस्तेमाल करती है। भाजपा झगड़ा लगाकर समाज को बांटना चाहती है। भाजपा अंग्रेजों की नीति ''फूट डालो राज करो'' पर चल रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जनता को बुनियादी मुद्दों से भटकाने में लगी है। भाजपा नागरिकों के अधिकारों और उनके सम्मान पर हमला कर रही है। भाजपा सरकार में छात्र, नौजवान किसान, व्यापारी सभी परेशान है। भाजपा की कुनीतियों से किसान का पशुधन अब किसान को ही बर्बाद कर रहा है। छात्र और नौजवानों का भविष्य अंधकार में है। व्यापारी लूटा जा रहा है। महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं।श्री यादव ने कहा कि भाजपा के कारण संविधान खतरे में है। अभिव्यक्ति की आजादी को कुचला जा रहा है।

भाजपा के षड्यंत्र से समाजवादी कार्यकर्ताओं को सावधान रहना है। भाजपा झूठा प्रचार करके सामाजिक माहौल खराब करने का काम रही है। प्रेस की स्वतंत्रता पर हमला हो रहा है। भाजपा द्वारा सत्ता के दबाव से लोकतंत्र को प्रभावित किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से हटाकर देश और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता संकल्पित है।

आरएमएल निदेशक ने पंचप्रण की दिलाई शपथ

मेरी माटी,मेरा देश विषय पर हुई विभिन्न गतिविधियां

लखनऊ। डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में शनिवार को श्मेरी माटी,मेरा देश श पर आधारित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। संस्थान में आजादी के 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में मनाए जा रहे ष्आजादी के अमृत महोत्सवष के अंतर्गत ष्मेरी माटी मेरा देश ष कार्यक्रमों की श्रंखला में संकाय सदस्यों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों ने विकसित भारत के निर्माण में पंचप्रण की शपथ ली। वहीं संस्थान के निदेशक प्रो. सोनिया नित्यानंद ने संस्थान के सभी सदस्यों को शपथ दिलाई। जिसमें विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने, भारत की एकता अखंडता बनाऐ रखना , भारत की विरासत पर गर्व करने, गुलामी की मानसिकता से मुक्त होने और देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए संकल्प दिलाया।इसी क्रम में विद्यार्थियों के मध्य ष्मेरी माटी मेरा देशष विषय पर भाषण , पोस्टर एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।कार्यक्रम में संस्थान की डीन प्रो. नुसरत हुसैन सीएमएस प्रो. एके सिंह, रजिस्ट्रार प्रो. ज्योत्सना अग्रवाल, प्रो. राजन भटनागर, प्रो. संजय भट्ट, प्रो. शैली महाजन, डॉ विभा गंगवार, डॉ सुमीत दीक्षित, अभिषेक पांडे सहित मौके पर उपस्थित रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

पति ने पत्नी का गला दबा कर की हत्या

लखनऊ। राजधानी के थाना गोसाईगंज में आपसी कहासुनी के बाद पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया। साथ ही मौके से आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।गोसाईगंज थाना क्षेत्र के रसूलपुर आंशिक अली का मामला। यहां के निवासी सूरजपाल पुत्र स्व. प्रहलाद का दिन में करीब दो बजे पत्नी ममता उम्र करीब 23 वर्ष से किसी बात को लेकर घर में कहासुनी हो गयी। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पति आपा खो बैठा और पत्नी की दुपट्टे से गला दबाकर हत्या कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही गांव में भारी भीड़ जमा हो गयी। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गयी और शव को कब्जे में लेने के बाद आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। मृतका का एक ढाई वर्ष का पुत्र है। पति मजदूरी करता है। पति से पुलिस पूछताछ कर रही है। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि पत्नी की गला दबाकर हत्या करने वाले पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके द्वारा बताया गया कि शादी के बाद से लगातार दोनों में विवाद हो रहा था। जिससे वह आजिज आकर शनिवार को उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

निगोहां में युवक की ईंट से कूचकर हत्या

लखनऊ । राजधानी लखनऊ के निगोहा थानाक्षेत्र में युवक की ईंट से हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही घटना का सफल अनावरण करने के लिए चार टीमों का गठन किया गया। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। युवक का शव घर से सौ मीटर दूरी पर एक खेत में मिला। डीसीपी दक्षिणी विनीत जायसवाल ने बताया कि भक्तवत्सल उर्फ सोनू पुत्र अनुरूद्ध कुमार उर्फ राजाराम निवासी ग्राम पुरहिया ने थाना निगोहां पर सूचना दिया कि शुक्रवार को समय करीब रात्रि एक बजे वादी की माताजी को नीचे कुछ खटखटाहट की आवाज सुनाई दी तो उनकी मां फूलमती छत से नीचे आयी तो कुछ बातचीत की आवाज सुनी तो वापस ऊपर आकर उन्हे व घर की छत पर सो रहे परिवार के सभी लोगों का जगाया। परिवार के सभी लोग नीचे उतर कर आये तो देखा कि बाहर का दरवाजा खुला है व उनका के मामाजी सुन्दर पुत्र स्व. जंगली निवासी ग्राम कलुईखेड़ा थाना बछरावां जनपद रायबरेली उम्र करीब 48 वर्ष जो बाहर के बरामदे में तख्त पर सो रहे थे। वह उस तख्त पर नहीं हैं। उसी तख्त पर बिछे बिस्तर में काफी खून लगा है तथा सड़क का एक पत्थर बिस्तर पर पड़ा है जिस पर काफी खून लगा है। जब वादी व परिवार के सभी लोगों ने वादी के मामा सुन्दर उपरोक्त को उसी समय इधर–उधर तलाश किया तो घर के पास ही थोड़ी दूर पर रास्ते के किनारे रवि शुक्ला के खेत में खून से लथपथ वादी के मामा घायल अवस्था में पड़े हुये हैं। जिन्हें इलाज के लिए मोहनलालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहनलालगंज पर ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनके के मामा की हत्या अज्ञात लोगों ने कर दिया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। डीसीपी दक्षिणी ने बताया कि उनके द्वारा भी घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। सुंदरलाल का शव घर से सौ मीटर दूरी खेत पर पड़ा मिला। सुंदरलाल की शादी नहीं हुई थी और पिछले पंद्रह साल से अपनी बहन के घर पुरहिया में रह रहा था। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। हत्या का खुलासा करने के लिए चार टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही घटना का पदार्फाश कर दिया जाएगा।

ग्राहकों को आकर्षित करेगा ऑयल का नया पैक

लखनऊ। खाद्य तेल ब्रैंड की लोकप्रिय श्रृंखला, हिमानी बेस्ट चॉइस ने अपने रिफाइंड सोयाबीन ऑयल वैरिएंट को एक बिलकुल नए पैक डिजाइन में पेश किया है। हिमानी बेस्ट चॉइस का उत्पादन और बिक्री इमामी एग्रोटेक लिमिटेड द्वारा की जाती है। देबासीस भट्टाचार्य, प्रेसिडेंट– मार्केटिंग, इमामी एग्रोटेक लिमिटेड का कहना है, हर सफल ब्रैंड को उपयोगी और प्रासंगिक बने रहने के लिए बदलाव करते रहने की जरूरत होती है। ग्राहकों की बदलती पसंद को पूरा करने के लिए, किसी भी ब्रैंड के लिए उनसे सही कनेक्ट बनाना और उनके अनुसार खुद को बदलना महत्वपूर्ण है। इसलिए, हम अपने ब्रैंड हिमानी बेस्ट चॉइस रिफाइंड सोयाबीन ऑयल के लिए एक स्मार्ट, कंटेम्पररी लुक लेकर आए हैं। इससे ग्राहकों को एक बढ़ते और प्रगतिशील ब्रांड के रूप में देखने का एक नया नजरिया मिलेगा। हमारा यह भी मानना है कि यह नया बदलाव, बाजार में हमारी लीडरशिप की स्थिति को मजबूत करेगा और बड़ी संख्या में ग्राहकों को आकर्षित करेगा। हिमानी बेस्ट चॉइस रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, सोयाबीन के एक प्राकृतिक तत्व को अपने नए डिजाइन में लेकर आया है। ब्रांड के एम्बेसडर सलमान खान की तस्वीर के साथ ब्रांड की टैगलाइन स्वाद में हिट, बजट में फिट नई डिजाइन में भी मौजूद रहेगी।

रूटीन हेल्थ चेकअप करवाना क्यों जरूरी है? जानिए 5 कारण

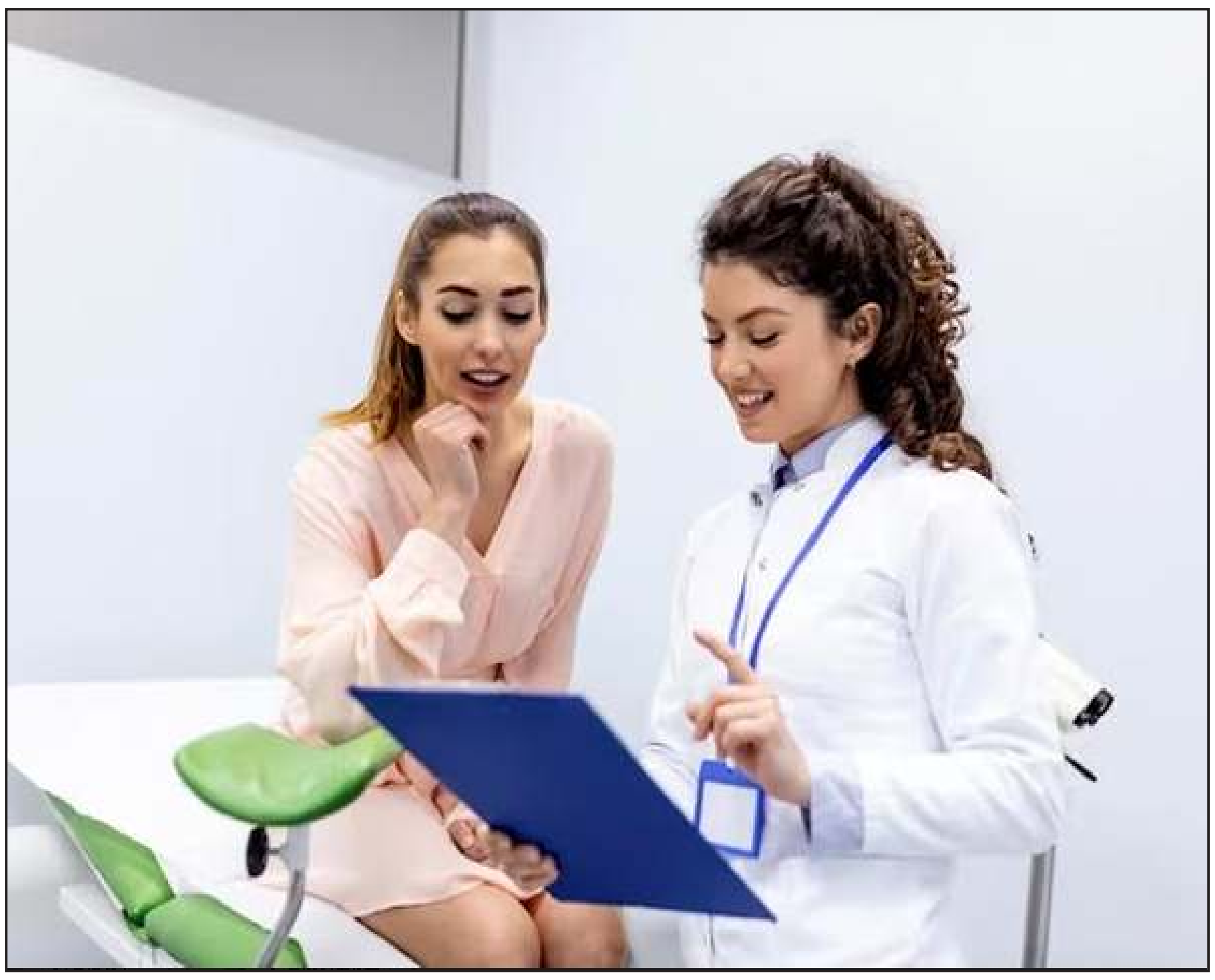

कई लोगों को लगता है कि अगर उनका शरीर ढंग से काम कर रहा है तो उन्हें रूटीन हेल्थ चेकअप की कोई जरूरत नहीं है।हालांकि, खुद को फिट एंड फाइन रखने और संभावित स्वास्थ्य समस्याओं का शुरूआत में ही पता लगाने के लिए रूटीन हेल्थ चेकअप जरूरी है। इस तरह से आप खुद का बीमारियों से बचाव कर सकते हैं।आइए आज हम आपको रूटीन हेल्थ चेकअप को प्राथमिकता देने के 5 कारण बताते हैं।

स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरुक रहने में करता है मदद

कई लोग सिरदर्द, कमजोरी या फिर हृदय के तेजी से धड़कने आदि संकेतों को सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। इससे आसानी से इलाज योग्य स्वास्थ्य समस्याएं और अधिक गंभीर हो सकती हैं। दूसरी ओर, डॉक्टर के पास जाकर रूटीन हेल्थ चेकअप करवाते रहने से आपको अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक रहने और अपनी सेहत को बनाए रखने के लिए जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने में मदद मिल सकती है।

बीमारियों का पता लगाने और गंभीर बीमारियों को रोकने में है सहायक

जब आप रूटीन हेल्थ चेकअप के लिए डॉक्टर से मिलते हैं तो वे संभावित बीमारियों के शुरुआती लक्षणों का पता लगा सकते हैं और आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं।उदाहरण के लिए, हाई कोलेस्ट्रॉल को शुरुआती चरण में ही ठीक करने से अधिक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को रोका जा सकता है।इसी तरह रूटीन हेल्थ चेकअप डॉक्टर को किसी भी शारीरिक परिवर्तन की पहचान करने में सक्षम बनाता है।

पैसे बचाने में है कारगर

बीमारियों की रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होती है। अभी अपने रूटीन हेल्थ चेकअप में थोड़ी–सी राशि निवेश करके आप लंबे समय तक स्वस्थ जीवन का आनंद ले सकते हैं।नियमित स्वास्थ्य जांच से बीमारियों का जल्द पता लगाने में मदद मिलती है, जिससे समय पर इलाज संभव हो पाता है। प्रारंभिक अवस्था में बीमारियों का इलाज करना सस्ता होता है, जबकि स्थिति गंभीर होने पर इलाज का खर्च लाखों रुपयों तक पहुंच सकता है।

स्वस्थ आदतों को करता है प्रोत्साहित

रूटीन हेल्थ चेकअप के लिए डॉक्टर के पास जाने पर वह न केवल आपको स्वस्थ आदतें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि आपको उन्हें बनाए रखने के लिए निरंतर प्रेरणा भी मिलती है।इसमें बैलेंस डाइट अपनाना, रोजाना एक्सरसाइज करना, रात को अच्छी नींद लेना और तनाव के स्तर को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना शामिल है।समय के साथ अपने मेडिकल टेस्ट में सकारात्मक बदलाव देखना एक शक्तिशाली प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करता है।

शरीर को बेहतरीन स्थिति में रखने में भी है प्रभावी

रूटीन हेल्थ चेकअप से यह भी सुनिश्चित होता है कि आपका शरीर बेहतरीन स्थिति में रहे और अपना सही प्रदर्शन करता रहे।डॉक्टर आपके शरीर को सही आकार में रखने के लिए आपका मार्गदर्शन कर सकते हैं।खून की नियमित जांच करके वे हार्मोनल असंतुलन और ब्लड प्रेशर में उतार–चढ़ाव जैसी स्थितियों की पहचान और समाधान कर सकते हैं, जिससे उनके असर को ढंग से कम किया जा सकता है।इसके परिणामस्वरूप आप खुद को स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस करेंगे।

दिव्या खोसला कुमार की यारियां 2 का टीजर जारी, 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

साल 2014 में आई हिमांश कोहली और रकुल प्रीत सिंह की

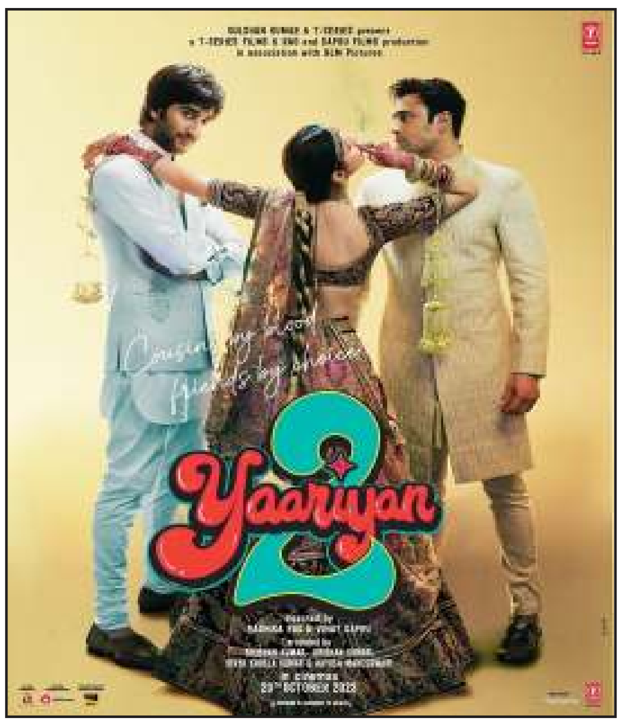

फिल्म यारियां ने दर्शकों का दिल बखूबी जीता था। दिव्या खोसला कुमार के डायरेक्शन में बनी यारियां ने ऑडियंस से लेकर क्रिटिक्स तक सभी को इम्प्रेस किया। ऐसे में दिव्या अब यारियां 2 लेकर आ रही हैं, खास बात ये है कि इस बार वह डायरेक्टर नहीं बल्कि लीड रोल में नजर आएंगी। जिसका अंदाजा आप गुरुवार को रिलीज हुए यारियां 2 के टीजर को देख कर आसानी से लगा सकते हैं। मेकर्स की ओर से यारियां 2 का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया गया। जिसमें दिव्या खोसला कुमार फिल्म के लीड एक्टर मीजान जाफरी और पर्ल वी पुरी के साथ नजर आईं। अब गुरुवार को टी सीरीज ने यारियां 2 का टीजर रिलीज कर दिया है, जिसमें ये दिखाया गया है कि एक लड़की के इर्द गिर्द दो लड़कों की कहानी घूमती रहती है। इस टीजर से ये अनुमान आसानी से लगाया गया कि इस बार यारियां की कहानी लव ट्राइंगल पर भी आधारित हो सकती है। वरीना हुसैन, अनस्वरा रंजन, प्रिया वारियर और यश दास गुप्ता जैसे कलाकारों की झलक आपको इस टीजर में देखने को मिलेगी। यारियां 2 के टीजर ने फैंस की एक्साइटमेंट को भी काफी हद तक बढ़ा दिया है। डायरेक्टर विनय सप्रू और राधिका राव के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पहले पार्ट की अपार सफलता के बाद यारियां का सीक्वल आ रहा है। 9 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर से दर्शकों को नई तरीके की यारियां देखने को मिलेगी। गौर करें यारियां 2 की रिलीज डेट की तरफ तो ये मूवी 20 अक्टूबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मालूम हो कि 2014 में आई यारियां ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 40 करोड़ का कारोबार किया था, कम बजट में बनने की वजह दिव्या खोसला कुमार की इस फिल्म का पहला भाग हिट साबित हुआ था।

ब्रांड के कपड़े पहन अनुष्का सेन ने शेयर किया हॉट फोटोशूट, न्यूयॉर्क से इंटरनेट का पारा किया हाई

एक्ट्रेस अनुष्का सेन हमेशा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो आए दिन अपने सिजलिंग लुक्स के कारण लोगों के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। हाल ही में अनुष्का सेन ने अपने लेटेस्ट न्यूयॉर्क वेकेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। साथ ही लोग उनके इस लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीवी की जानी–मानी अभिनेत्री अनुष्का सेन आए दिन अपनी हर एक अदाओं से फैंस को लट्टू कर देती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने लूइस विंटन ब्रांड के कपड़े पहने हुए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस इन दिनों न्यूयॉर्क में अपनी छुट्टियां मना रही हैं। वहीं से उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर करी हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं अनुष्का सेन ने डेनिम ब्लू कलर का क्रॉप टॉप और साथ ही व्हाइट कलर की स्कर्ट पहनी हुई है। ओपन हेयर, गॉगल्स और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। अनुष्का सेन अपनी इन फोटोज में न्यूयॉर्क के स्ट्रीट में खड़े होकर बेहद ही सिजलिंग अंदाज में पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। अभिनेत्री जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। वेस्टर्न हो या फिर एथनिक एक्ट्रेस अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता है।

रॉकी और रानी... की कमाई जारी, अब गदर 2 और ओएमजी 2 से टक्कर

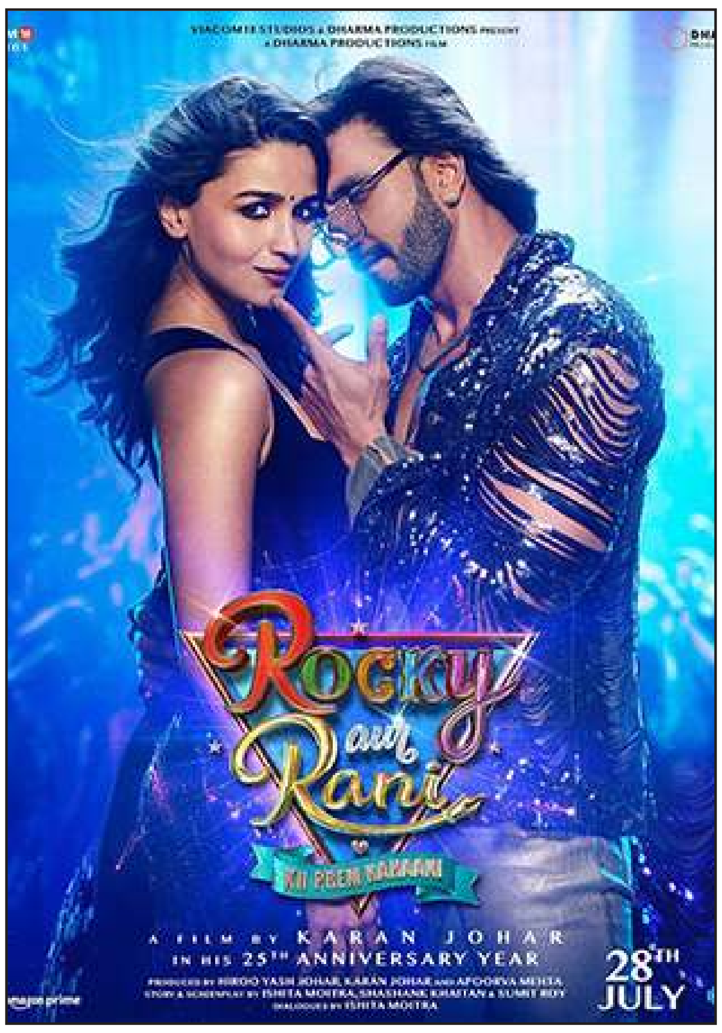

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है।दुनियाभर में फिल्म 300 करोड़ रुपये की कमाई की और बढ़ रही है, वहीं भारत में भी फिल्म 150 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो सकती है।हालांकि, पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई की रफ्तार लगातार घटती जा रही है और अब इसकी मुश्किलें और भी बढ़ सकती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने अपनी रिलीज के 14वें दिन 3.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका भारत में कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 121.18 करोड़ रुपये हो गया है। दुनियाभर में फिल्म ने लगभग 230 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी जैसे दिग्गज कलाकार भी हैं।रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म को लगभग 160 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। सनी देओल की गदर 2 और अक्षय कुमार की ओह माय गॉड 2 ने 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। ऐसे में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की कमाई की रफ्तार और धीमी हो सकती है।जहां गदर 2 साल 2001 में आई सुपरहिट फिल्म गदर का सीक्वल है तो वहीं ओह माय गॉड 2 2012 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ओह माय गॉड का सीक्वल है।

जिम में पसीना बहाने के बाद भी नहीं जा रही पेट–कमर की चर्बी, आजमाएं ये जादुई ड्रिंक

पेट–कमर की चर्बी आपका लुक बिगाड़ रही है. जिम में घंटों पसीना बहाने, वर्कआउट करने के बावजूद ये कम नहीं हो रहा है तो चिंता की बात नहीं है, क्योंकि दो ऐसी चीज भी हैं, जो बिना मेहनत ही शरीर का फैट गायब कर सकते हैं. बस खाना खाने से पहले इन्हें लेना होगा. बेहद सस्ती ये चीज शुगर और कोलेस्ट्रॉल को कम कर देती है. ये खाने के जो कैलोरी और वसा मिलती है, उसे सोख लेती हैं और देर तक पेट को भरा रखती हैं. आइए जानते हैं क्या है इतनी कमाल की चीज और इससे क्या–क्या फायदा हो सकता है...

चर्बी को बर्फ की तरह पिघला देंगी ये दो चीज

फैट कम करने वाली ये दोनों चीज एप्पल साइड विनेगर और इसबगोल हैं. लंच या डिनर से पहले इन दोनों का इस्तेमाल पेट की चर्बी कम कर सकती है. इसके कई फायदे सेहत को मिलते हैं. बिना मेहनत के ये शरीर की फैट को जला सकते हैं.

एप्पल साइडर विनेगर

सुबह सबसे पहले एक गिलास पानी में एक बड़ा चम्मच एप्पल साइडर विनेगर मिलाकर पिएं. इससे चर्बी तेजी से कम हो सकती है. एप्पल साइडर विनेगर मेटाबॉलिक सिंड्रोम की दवा के तौर पर इस्तेमाल की जाती है. जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन के मुताबिक, इसमें एसिटिक एसिड पाया जाता है, जो लंबे समय तक पेट को भरा रखने में मदद मिलता है. इसके ज्यादा खाने से बच जाते हैं और कम कैलोरी शरीर तक पहुंचती है. एप्पल साइडर विनेगर ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल में रखने का काम करता है. दिन में दो या तीन बार आप इसका सेवन खाने से 15 मिनट पहले कर सकते हैं.

इसबगोल के फायदे

जब भी खाना खाएं तो उसके करीब आधा घंटे पहले इसबगोल का सेवन कर सकते हैं. आप चाहें तो एप्पल साइडर विनेगर में इसे मिलाकर पी सकते हैं. हाई फाइबर होने के वजह से ये फैट को जलाता है. इसे खाने से पेट भरा लगता है और खाना कम खाया जाता है. सुबह–सुबह खाली पेट नींबू पानी में इसबगोल पाउडर मिलाकर पीना फायदेमंद होता है. खाने से पहले दही में भी इसे मिलाकर पी सकते हैं. इन दोनों चीजों का सेवन करीब एक महीने तक करने पर पेट और कमर की चर्बी तेजी से पिघल जाती है.